संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 353
पृष्ठ 8
शनिवार
14 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– क्या आपकी दिल की बीमारी... | विचार– राहुल ने बताई वस्तुस्थिति... | खेल– क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने रचा...

अगले पांच वर्ष में खत्म हो जाएगी डॉक्टरों की कमी : योगी

- बनेंगे कई नए मेडिकल कॉलेज
- हमारी संस्कृति ही जीवन के विकास का आधार है

लखनऊ, एजेंसी। पांच वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से ग्रस्त था। वहां 15 जुलाई से 15 नवंबर के बीच 1200 से 1500 मौतें होती थीं। अकेले गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 500 से 700 मौतें होती थीं। यह क्रम पिछले 40 वर्ष से चल रहा था। इस दौरान 50 हजार बच्चों की मौतें हुईं, लेकिन पिछली सरकारों का इससे कोई लेना–देना नहीं था। जब इसे रोकने के लिए सुविधा देनी होती थी तो वह भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते थे। यह सिस्टम की नाकामी थी। मैंने सांसद रहते हुए सड़क से लेकर सदन तक मुद्दा उठाया, जिसके बाद काम शुरू हुआ। यह बात यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। सीएम शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंफेसेलाइटिस पर लगाम लगाने के लिए गोरखपुर को एम्स दिया। वहीं 2017 में मुख्यमंत्री बनने पर इसे खत्म करने की जिम्मेदारी मेरी हो गयी। इस पर काम शुरू किया गया और वर्ष 2019 में इस पर नियंत्रण पा लिया गया। उसी का परिणाम है कि आज पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से मुक्त हुआ है। आज यहां पर मौत जीरो हो गयी हैं। यह दृढ़ संकल्प और आप सभी के सहयोग से हो पाया है, जबकि इसके खात्मे के बारे में पहले कोई सोच नहीं सकता था। सीएम योगी ने वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन और नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान सीएम योगी ने कई प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर जेआर को मेडल–सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस को लेकर इस बार भी दो बार सर्वे कराया गया, जिसमें सामने आया कि एक भी बच्चे की मौत नहीं हुई है। आज पूर्वी उत्तर प्रदेश खुशहाल है। यह सब बेहतर समन्वय और संवाद से हो पाया। आज इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है, लेकिन अफसोस है कि अब तक इस पर कोई स्टडी पेपर नहीं लिखा गया, जबकि यह सफलता का मॉडल है। वहीं वर्ष 2020 में कोविड–19 महामारी आई तो टीम 11 का गठन कर काबू पाया गया। यह हमें इंसेफेलाइटिस के सफलतापूर्वक समाधान के बाद प्राप्त हुए अनुभव से संभव हुआ। कोविड–19 पर काबू पाने में इसी अनुभव का लाभ प्राप्त हुआ। सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की दिशा में तेजी के साथ बढ़ रहा है। पहली बार केंद्र और राज्य सरकार पीपीपी मोड पर भी मेडिकल कॉलेज बनाने की कार्रवाई को बढ़ा रही है। आने वाले अगले 5 से 7 वर्ष में डॉक्टरों की कमी नहीं रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप हम एक जिला एक मेडिकल की कॉलेज की तरफ बढ़ चुके हैं। प्रदेश के सभी पीएचसी, सीएचसी को डॉक्टर मिलेंगे। इसके साथ ही आरएमएल, एसजीपीजीआई, केजीएमयू समेत अन्य संस्थानों को अच्छे विशेषज्ञ चिकित्सक मिलेंगे। इसके लिए हमें टीमवर्क के साथ काम करना होगा। आरएमएल उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत का गेटवे है। यह उपब्लधि ऐसे ही नहीं मिली है। इसके पीछे सकारात्मक सोच और टीमवर्क है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऋषि परंपरा में बीज का वृक्ष बन जाना संस्कृति कहलाता है, जबकि बीज का सड़कर नष्ट हो जाता विकृति कहलाता है। हमारी संस्कृति ही जीवन के विकास का आधार है। ऋषि परंपरा के अनुरूप ही डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान अस्पताल से इंस्टीट्यूट बनकर सबके सामने है। संस्थान उत्तर भारत में चिकित्सा स्वास्थ्य का बेहतरीन केंद्र बनकर उभर रहा है। यह संस्थान की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि अच्छे काम करने पर परिणाम भी अच्छे आते हैं। एक संस्थान बना देना समस्या का समाधान नहीं होता, यह किन हाथों में है, यह महत्वपूर्ण होता है। सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ी सिटी है। यहां लगभग 70 लाख की आबादी निवास करती है। आरएमएल की पहचान पूर्वी उत्तर प्रदेश के गेटवे के रूप में होती है। यह अस्पताल से बढ़ करके 1300 बेड के बड़े संस्थान के रूप में विकसित हो करके सबके सामने है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अकेला ऐसा राज्य है, जहां 5 करोड़ 11 लाख से अधिक आयुष्मान भारत के गोल्डन कार्ड जारी किये जा चुके हैं। यूनियन कैबिनेट ने 70 वर्ष से ऊपर के हर एक व्यक्ति को आयुष्मान कार्ड का लाभ देने का निर्णय लिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को दी जमानत

नयी दिल्ली, 13 सितंबर (वार्ता) उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के मुकदमे में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत देते हुए शुक्रवार को सशर्त जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने श्री केजरीवाल की याचिका पर उन्हें यह राहत दी। दोनों न्यायाधीशों ने मुख्यमंत्री को 10 लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो जमानती बौंड पर रिहा करने का आदेश दिया। सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर हालांकि, दोनों न्यायाधीशों ने अलग–अलग फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति कांत ने सीबीआई की ओर से की गई श्री केजरीवाल की गिरफ्तारी को न्यायोचित करार दिया, जबकि न्यायमूर्ति भुइयां ने गिरफ्तारी को गैर जरूरी बताया। न्यायमूर्ति भुइयां ने याचिकाकर्ता की इस दलील को स्वीकार किया कि धन शोधन मामले में उनकी जमानत को विफल करने के लिए सीबीआई ने एक प्रकार से श्पहले से तयश गिरफ्तारी की थी। श्री केजरीवाल ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित सीबीआई के मुकदमे में जमानत की मांग और इसी मामले में गिरफ्तारी को अलग–अलग याचिकाओं के जरिये शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर अपनी याचिकाएं ठुकराए जाने के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष अदालत ने उनकी याचिकाओं पर पांच सितंबर को सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। उच्चतम न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता आम आदमी पार्टी के प्रमुख की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और सीबीआई की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की घंटों दलीलें पेश की थीं। श्री केजरीवाल ने सीबीआई मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से पांच अगस्त को अपनी याचिकाएं ठुकरा दिए जाने के बाद शीर्ष अदालत में राहत की उम्मीद में अपील दायर की थी। दिल्ली आबकारी नीति 2021–22 (जो विवाद के बाद रद्द कर दी गई) के कथित अनियमितताओं के मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च और सीबीआई में 26 जून 2024 को आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। सीबीआई की गिरफ्तारी के समय वह ईडी के मुकदमे में न्यायिक हिरासत में थे। सीबीआई ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में बंद आरोपी मुख्यमंत्री से विशेष अदालत की अनुमति के बाद 25 जून को पूछताछ की थी और फिर 26 जून को उन्हें गिरफ्तार किया था।

आंध्र प्रदेश में बड़ा सड़क हादसा : एक साथ 8 लोगों की गई जान...कई घायल

आंध्रप्रदेश, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के चित्तूर में आज एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। जहां एक सरकारी बस के लॉरी से टकरा जाने से 8 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती करा दिया है। वहीं, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें सहायता प्रदान करने का वादा किया है।

बता दें कि यह घटना चित्तूर जिले के मोगिली घाट के पास चित्तूर–बैंगलोर राजमार्ग पर हुआ। यहां आंध्र प्रदेश राज्य सरकार की बस जो तिरुपति से बेंगलुरु जा रही थी। इसी दौरान एक लॉरी से बस की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इस हादसे में 8 की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें सहायता प्रदान करने का वादा किया है। सीएम नायडू ने भी घटना का जायजा लिया और अधिकारियों से पीड़ितों को प्रदान किए जा रहे राहत उपायों और चिकित्सा सहायता के बारे में पूछा है।

भारत को कोई सुई भी चुभेगी,तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होगा : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्र को स्वहित और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर रखने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि किसी भी स्थिति में राष्ट्रवाद से समझौता नहीं किया जाना चाहिए और शत्रुओं को प्रोत्साहन नहीं देना चाहिए। श्री धनखड़ ने राजस्थान के अजमेर में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी हालत में दुश्मन के हित को प्रोत्साहन नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा, "दुखद विषय है, चिंता का विषय है, चिंतन का विषय है, मंथन का विषय है कि अपने में से कुछ भटके हुए लोग संविधान की शपथ के बावजूद भारत मां को पीड़ा दे रहे हैं। राष्ट्रवाद के साथ समझौता कर रहे हैं। राष्ट्र की परिकल्पना को समझ नहीं पा रहे हैं। पता नहीं कौन से स्वार्थ को ऊपर रख कर भारत मां को लहुलुहान करना चाहते हैं। हमारे भारत को कोई सुई भी चुभेगी, तो 140 करोड़ लोगों को दर्द होगा।" उप राष्ट्रपति ने कहा कि हर भारतीय देश के बाहर कदम रखता है तो वह भारतीय राष्ट्रवाद का राजदूत है। भारतीय संस्कृति का राजदूत है। इसको पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रतिपक्ष के नेता के रूप में प्रमाणित किया है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री दूसरे दल के थे, कांग्रेस पार्टी के थे, नरसिम्हा राव जी थे, भारत का नेतृत्व विदेश में एक महत्वपूर्ण संवेदनशील मुद्दे पर, कश्मीर से जुड़े मुद्दे पर अटल बिहारी वाजपेयी ने किया वह प्रतिपक्ष के नेता थे।" श्री धनखड़ ने कहा कि देश के अंदर या बाहर ऐसा काम नहीं करना चाहिए तो देश के साथ उपयुक्त आचरण नहीं है। भारतीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा नहीं देता है, राष्ट्रवाद को कुंठित करता है। उन्होंने कहा, " हमारे सपने पूरे करो, दुश्मनों के सपने पूरे करने में क्यों लगे हुए हो। इतिहास ने उनको कभी माफ नहीं किया है जिन्होंने देश के साथ ऐसा आचरण किया है।" उन्होंने कहा कि मूल अधिकारों के साथ–साथ मूल कर्तव्यों पर भी बात करना अति आवश्यक है।

दिल्ली समेत उत्तर–पश्चिम भारत में भारी बारिश की चेतावनी

नयी दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी और देश के मध्य, उत्तर–पश्चिम और पूर्वोत्तर भागों के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिनों के लिए भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गयी है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने आज उत्तराखंड में अत्यधिक भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट और उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में बहुत भारी से भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, मौसम में यह बदलाव एक दबाव से प्रभावित है जो मध्य भारत में विकसित हुआ और उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ गया। आईएमडी ने बताया कि मध्य उत्तर प्रदेश पर बने दबाव के उत्तर–पूर्व की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के भीतर धीरे–धीरे कमजोर होकर एक स्पष्ट कम दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील होने की उम्मीद है। आईएमडी ने अगले 24 घंटों के दौरान तटीय बंगलादेश और उससे सटे उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने का अनुमान जताया है। विभाग ने कहा, "इसके बाद इसके धीरे–धीरे पश्चिम–उत्तर–पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 48 घंटों के दौरान तटीय पश्चिम बंगाल और इससे सटे उत्तर–पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर एक दबाव में केंद्रित होने के आसार हैं।" दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कल शाम से लगातार हल्की बारिश हो रही है, जिससे शहर में तापमान और वायु गुणवत्ता स्तर में गिरावट आई है।

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

जीवन की नश्वरता की याद दिलाता है- विसर्जन

डॉ०प्रदीप चित्रांशी

प्रयागराज। देवी– देवताओं की मूर्तियों के विसर्जन को मात्र धार्मिक प्रक्रिया नहीं कह सकते क्योंकि यह बुद्धि और जागरुकता को सही दिशा में उपयोग करने का प्रतीक है। धार्मिक गुरुओं के अनुसार मूर्ति की स्थापना का उत्सव और उसके बाद विसर्जन सांसारिक मोह में लिप्त मानव को यह सिखाता है कि बुद्धि के सही उपयोग से वह संसार के मोह से कैसे मुक्त हो सकता है। देवी–देवताओं की मूर्ति की पूजा और विसर्जन, दोनों ही हमें अपनी सीमाओं और अस्थिरता का एहसास कराते हैं। पूजा का अर्थ वंदना,स्तुति,अर्चना,पूजन आदिक होता है। पूजा एक ऐसी क्रिया है जिसके अन्तर्गत किसी विशेष देवी–देवता के प्रति श्रद्धा और समर्पण–भाव से उनकी स्तुति करते हैं। स्तुति से पूजा करने वाले व्यक्ति को शान्ति का अनुभव होता है क्योंकि वह ईश्वर के साथ आध्यात्मिक संबंधा स्थापित करता है। विसर्जन का अर्थ सृजन और विघटन के चक्र का प्रतिनिधित्व करते हुए, जीवन की नश्वरता की याद दिलाता है।

नश्वरता का अर्थ है समय के दृष्टिकोण से वास्तविकता को देखना। इस बात को समझने के लिए आपको नदी के तट पर ले चलते हैं। तट पर कल–कल करती अपने में ही मस्त लहरें,नदी को लय,सुर के साथ उसके अस्तित्व की अनुभूति कराती हुई ,नई लहरों को अपनी जगह स्थापित करती हुई,समुद्र से मिलने के लिए निरन्तर चलती रहती हैं। इसी निरन्तरता में नश्वरता का दर्शन भी निहित है। इसी बात को हेराक्लिटस ने कहा था कि हम एक ही नदी में दुबारा नहीं जा सकते। वह सही था। आज नदी का पानी उस पानी से बिलकुल अलग है,जिसमें हमने कल नहाया था। फिर भी यह वही नदी है।नश्वरता की अन्तर्दृष्टि हमें सभी अवधारणाओं से परे जाने में मदद करती है।यह सत्य का आईना बन,सत्य देखने में मदद करती है कि वही नदी

नहीं है लेकिन अलग भी नहीं है। सृजन वह क्रिया है जिसके अन्तर्गत अदृश्य एवं सूक्ष्म से सूक्ष्म वस्तु को अस्तित्व में लाना या निराकार ब्रह्म का मूर्ति के रूप में साकार दर्शन करना।

भादो के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को ज्ञान और बुद्धि के देवता गणेश की प्रतिमा की स्थापना कर, घर और सामूहिक स्थल पर उनकी साकार रूप से पूजा की जाती है। गणेशोत्सव के बाद स्थापित प्रतिमाओं का विसर्जन जल में किया जाता है क्योंकि जल को पंचतत्वों में से एक तत्व माना गया है जिसमें घुलकर प्राण प्रतिष्ठा से स्थापित गणेश की मूर्ति पंचतत्वों में समाहित होकर अपने मूल स्वरूप में मिल जाती है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है– संसार में जितनी मूर्तियाँ इसमें देवी–देवता एवं प्राणी शामिल हैं,उन सब में श्मैंश ही हूँ और अंत में सभी को मुझमें मिलना है।जल में मूर्ति विसर्जन से माना जाता है कि प्रतिमा का जल में घुलना , परमात्मा से एकाकार होने का प्रतीक है।

विसर्जन सांसारिक–मोह की परिभाषा से अवगत कराते हुए, मोह की परिधि से बाहर निकलने की सुगम तरकीब भी बताता है। इसी वजह से पूजा के समय पूजा हेतु प्रदत्त सामग्री पूजा के सम्पन्न होने के बाद विसर्जित कर दी जाती है । हिंदू पूजा प्रतीकात्मकता से भरी हुई है जिसके हर कार्य और अनुष्ठान के पीछे एक आध्यात्मिक अर्थ छिपा होता है। पूजा के समय देवता, जो निराकार हैं,उसे मिट्टी की मूर्ति, कलश में बुलाया जाता है। पूजा समाप्त होने के बाद, देवता को औपचारिक रूप से उसके मूल रूप निराकार में वापस लौटा दिया जाता है। चित्र,कलश और विग्रह के संदर्भ में,पूजा समापन को दर्शाने के लिए उत्तर की ओर मोड़ दिया जाता है।

गणेशोत्सव के अन्तर्गत भगवान गणेश की मिट्टी की बनी प्रतिमा में मन्त्रोचारण द्वारा प्राण प्रतिष्ठा कर,आवाह्न कर उनकी पूजा की जाती है। पूजा के दौरान पाँचों इन्द्रियाँ सर्वशक्तिमान की उपस्थिति को अच्छे से महसूस करती हैं। भगवान गणेश की पूजा में सम्मिलित सभी लोग हाथो से प्रतिमा को छूकर , चढ़ाए गए प्रसाद को ग्रहण करते हैं। श्रद्धानुसार कहीं–कहीं पर डेढ़ दिन या 3,5,7या 11 दिनों की पूजा के समापन पर ,गणेश–प्रतिमा को औपचारिक रूप से जल में विसर्जित किया जाता है। विसर्जन की यह प्रथा जीवन के माया–मोह की सत्यता का बोध कराती हुई, मृत्यु के यथार्थ दर्शन को समझाती है, साथ ही साथ आत्मा पुनः दूसरे रूप में जन्म लेती है। इसीलिए विसर्जन के बाद बप्पा को लौटकर आने के लिए सब कहते हैं–

गणपति बप्पा मोरया,अगले बरस तू जल्दी आ।

बिक गई सरकारी जमीन, जांच रिपोर्ट के बाद भी छह महीने तक सोता रहा प्रशासन

प्रयागराज। प्रयागराज मिनहाजपुर में मारवाड़ी धर्मशाला की सरकारी जमीन बिक गई और प्रशासन बेखबर ही बना रहा। यह तब, जबकि प्रशासन की ओर से कराई गई जांच में अवैध कब्जे और बैनामों की पुष्टि हो गई थी। इस पर अमर उजाला ने अफसरों से सवाल किए तो देरशाम एसडीएम ने इंस्पेक्टर को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देते हुए नायब तहसीलदार व लिपिक से स्पष्टीकरण मांग लिया। मिनहाजपुर की इस जमीन का 1888 में पट्टा हुआ था। तब, देश में अंग्रेजी हुकूमत हुआ करती थी। मिर्जापुर जिले के मुन्नू लाल ने अंग्रेजी सरकार से इस आधार पर जमीन का पट्टा करने का आग्रह किया कि वहां जरूरतमंदों के लिए धर्मशाला का निर्माण कराएंगे। यहां मारवाड़ी धर्मशाला का निर्माण हुआ भी, लेकिन कुछ दशक पहले से यहां व्यावसायिक गतिविधियां चलने लगीं। पट्टे की यह शर्त थी कि यहां धर्मशाला के सिवाय और किसी चीज का निर्माण नहीं होगा, लेकिन यहां कब्जा जमाए लोगों ने न सिर्फ दुकानों का निर्माण कराया, बल्कि मनचाहे मकान और होटल तक बना लिए। हजारों–लाखों की हर महीने कमाई के हिस्सेदार कौन बने, यह कहना कठिन है, लेकिन जिला प्रशासन ने भी रोका–टोका किसी को नहीं नतीजतन, जमीन बिक गई, नए मकान भी बन गए। धर्मशाला की जमीन पर कब्जेदारी से खबरदार तो सभी थे, लेकिन साक्ष्यों के साथ पोल खोली तिरपाल का काम करने वाले कीडगंज निवासी राजू केशरवानी ने। दरअसल, दशकों तक राजू भी अपने बड़े भाई पप्पू केशरवानी के साथ वहीं किराये पर रहा करते थे। पप्पू ने मिर्जापुर निवासी कन्हैला लाल सिंहानिया, महेश कुमार सिंहानिया और विष्णु कुमार सिंहानिया से करीब 33 वर्गमीटर के प्लॉट का बैनामा करा लिया। फिर, छोटे भाई को घर से निकाल दिया। इससे आहत राजू ने भाई को सबक सिखाने की ठानी और जिलाधिकारी से लेकर हर उस चौखट पर शिकायत की, जहां से उसे न्याय की उम्मीद थी। जांच में इसकी पुष्टि भी हो गई कि यहां के होटल, दुकान–मकान का निर्माण और खरीद–फरोख्त, सब अवैध है। इनके खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति भी की गई। मगर, कार्रवाई की नहीं गई। बृहस्पतिवार दोपहर अमर उजाला ने सरकारी जमीन का बैनामा हो जाने का सवाल किया तो प्रशासन सक्रिय हुआ। देर शाम एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह ने करैली इंस्पेक्टर को निर्देश दिया कि सरकारी जमीन खरीदने–बेचने वाले व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करें। उन्होंने सरकारी जमीन का बंदोबस्त देखने वाले नायब तहसीलदार अजय विक्रम सिंह और लिपिक रमाशंकर यादव से एक हफ्ते में स्पष्टीकरण तलब किया कि जांच रिपोर्ट मार्च में आ जाने के बावजूद इसे उनके समक्ष देरी से क्यों प्रस्तुत किया। एसडीएम ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण के सचिव को पूरी जांच रिपोर्ट भेजते हुए अवैध कब्जेदारों के खिलाफ कार्रवाई करके जिलाधिकारी को सूचित करने का आग्रह किया है। राजकीय आस्थान की जमीन की रजिस्ट्री कैसे हो गई, इसकी जांच कराएंगे। इस संबंध में एसडीएम सदर से रिपोर्ट मांगी है। जो भी दोषी मिलेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

कालिंदी एक्सप्रेस में चढ़ रहे दंपती की कांस्टेबल ने बचाई जान, चढ़ते समय फिसल गया था पैर

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर ट्रेन चलने के बाद बोगी में चढ़ते समय दंपती का पैर फिसल गया और वह ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच खिसटने लगे। यह मौके पर तैनात सिपाही ने

अन्य यात्रियों की मदद से दंपती की जान बचाई। सिपाही के तत्परता की अधिकारियों ने सराहना की है। प्रयागराज जंक्शन पर तैनात हेड कांस्टेबल धीरेंद्र प्रताप यादव ने गाड़ी संख्या 14117 कालिंदी एक्सप्रेस जो प्लेटफार्म संख्या छह से रवाना हो रही थी उसके चलने के बाद पीछे से दौड़ते हुए चलती गाड़ी पर एक महिला व पुरुष यात्रीचढ़ने के प्रयास में फिसल गए। प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच के गैप वह गिरने हीं वाले थे उन्हे वहां तैनात हेड कांस्टेबल ने बचा लिया। हेड कांस्टेबल ने चलती गाड़ी व प्लेटफार्म के बीच में जाने से उन्हें खींच कर बचाया। ट्रेन मैनेजर द्वारा गाड़ी को रोक कर गाड़ी में पुरुष व महिला यात्री को बैठाया गया। दोनों यात्री घटना से बदहवास हालत में होने के कारण अपना नाम पता वह मोबाइल नंबर कुछ भी बताने की हालत में नहीं थे। तभी गाड़ी चल दी। इस कारण महिला व पुरुष यात्री का नाम पता नहीं लिया जा सका। घटना की प्रत्यक्षदर्शी प्रयागराज स्टेशन के डायरेक्टर वीके द्विवेदी ने कांस्टेबल को शाबाशी दी।

देश में आपातकाल का माहौल बनाना चाहती है कांग्रेस, हिंदुओं को एकजुट होने की जरूरत

प्रयागराज। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि विपक्ष के नेता विदेश में जाकर भारत की छवि खराब करने का प्रयास कर

रहे हैं। देश की गरिमा को गिराने का कार्य किया जा रहा है। कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि अगर 20 सीटें उनके पास और होतीं तो वह भाजपा को जेल में डाल देते। कांग्रेस आपातकाल वाली स्थिति देश में लाना चाहती है। गिरिराज शुक्रवार को नैनी में मूंज शिल्पग्राम का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हिंदुओं ने एकजुटता दिखाई, जिसके चलते वक्फ बोर्ड को झुकना पड़ा और अवैध रूप से बनी मस्जिद को गिरना पड़ा। इसी एकजुटता की देश को आवश्यकता है। उन्होंने कहा यह देश का दुर्भाग्य है विपक्ष का नेता विदेश में जाकर यहां की झूठी आलोचना कर रहे हैं। देश की जनता सब जान चुकी है। अब तानाशाह सरकार को सत्ता नहीं सौंपना है।

यूपी बोर्ड परीक्षा के फॉर्म भरने की तिथि फिर बढ़ी, अब 20 सितंबर तक भरे जा सकेंगे फश्र्वर्म

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। अब 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ 20 सितंबर तक चालान जमा करना होगा। उसके बाद 25 सितंबर तक वेबसाइट पर विद्यार्थियों के विवरण अपलोड करने होंगे। प्रधानाचार्यों की मांग पर यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने तिथि बढ़ाई है। इससे यूपी बोर्ड में फॉर्म भरने से वंचित रह गए विद्यार्थियों को राहत मिली है। यूपी बोर्ड परीक्षा के फॉर्म भरने की प्रक्रिया पहली जुलाई से शुरू हो गई थी। पांच अगस्त तक निर्धारित शुल्क के साथ फॉर्म भरे गए थे। उसके बाद

100 रुपये विलंब शुल्क के साथ 16 अगस्त तक परीक्षा शुल्क जमा कराया गया। उसके 20 अगस्त तक वेबसाइट पर विवरण अपलोड किए गए। इस बीच कुछ विद्यार्थी आवेदन नहीं कर पाए थे। इसलिए शिक्षक नेताओं की मांग यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने 31 अगस्त तक परीक्षा शुल्क का चालान जमा करने और पांच सितंबर तक विद्यार्थियों का विवरण वेबसाइट पर अपलोड करने का मौका दिया था। इसके बाद फिर से तिथि बढ़ाने की मांग की गई। इसलिए अब 20 सितंबर तक फीस का चालान जमा होगा। 25 सितंबर तक वेबसाइट पर डाटा अपलोड करना होगा। 26 से 30 सितंबर तक वेबसाइट पर अपलोड विद्यार्थियों के विवरण को चेक करना होगा। उसमें गलतियां होने पर एक से पांच अक्टूबर तक संशोधन करना होगा। फिर 10 अक्टूबर तक अभ्यर्थियों की फोटो युक्त नामावली डीआईओएस कार्यालय में जमा करवानी होगी। ऐसे ही नौवीं और 11वीं के विद्यार्थियों का पंजीकरण 20 सितंबर तक होगा। 21 से 23 अपलोड डाटा चेक किया जाएगा। 24 से 26 सितंबर तक डाटा संशोधित किया जाएगा। इस प्रक्रिया के पूरी होने के बाद पांच अक्टूबर तक फोटोयुक्त नामावली डीआईओएस कार्यालय में जमा करनी होगी।

महाकुंभ में स्वरूपानंद, नरेंद्र गिरि समेत कई संतों के नहीं हो पाएंगे दर्शन, गोलोकवासी हुए कई संत

प्रयागराज। महाकुंभ–2025 को भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। मेले में दुनियाभर से करीब 41 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई जा रही है, जिसकी व्यवस्था में पूरा अमला लगा हुआ है। मेले की शान संत–महात्मा हैं, लेकिन इस महाकुंभ में छह संतों के दर्शन नहीं हो पाएंगे। कारण कि कुंभ–2019 के बाद वह गोलोकवासी हो चुके हैं। सदियों से गंगा–यमुना और अदृश्य सरस्वती के तट पर लगने वाले मेले में श्रद्धालु संगम स्नान के साथ संतों का आशीर्वाद लेने

आते हैं। दशकों से मेले की शान रहे शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के दर्शन इस महाकुंभ में नहीं होंगे। 11 सितंबर 2022 को वह गोलोकवासी हो चुके हैं। इससे पहले महाकुंभ में उनका भव्य शिविर लगता था। दुनियाभर से श्रद्धालु उनके आशीर्वाद लेने आते थे। कुंभ 2019 में छाप छोड़ने वाले अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि के भी दर्शन नहीं होंगे। उनका निधन 20 सिंतबर 2021 को हुआ था। वह दो कार्यकाल तक अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे और संतों को संगठित किया था। इसके अलावा महाकुंभ में भव्य शिविर लगाने वाले जगदगुरु पंचानंद गिरि की भी कमी श्रद्धालुओं को खलेगी। वह पंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर थे। उनका निधन फरवरी 2023 में हुआ। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर सोमनाथ गिरि उर्फ पायलट बाबा का भी अगस्त 2024 में निधन हो चुका है। महाकुंभ के दौरान उनके शिविर में श्रद्धालुओं की भीड़ रहती थी। संन्यासी बनने से पहले वह वायुसेना में विंग कमांडर थे। उन्होंने 1962, 1965 और 1971 के युद्ध में भाग लिया था। युद्ध की विभीषिका से आहत पायलट बाबा ने 1974 में संन्यास ले लिया था। सोने के गहनों के प्रेमी महामंडलेश्वर गोल्डेन बाबा भी इस बार मेले में नहीं दिखेंगे। वह हमेशा कई किलो सोने के गहने पहने रहने के कारण चर्चाओं में रहते थे। वह कुंभ 2019 में यहां पर आए थे। 30 जून 2020 को उनका निधन हो गया। क्रियायोग अनुसंधान संस्थान झूंसी की ज्ञानमाता राधा मां का निधन 2021 में हो गया था। विदेशी संतों के बीच उनकी गहरी पैठ थी। वह भक्तों को योग सिखाती थीं।

प्रयागराज में महिला का सुसाइडः 9 महीने पहले हुई थी शादी, घरेलू कलह के चलते फांसी के फंदे पर लटकी

प्रयागराज। प्रयागराज में एक महिला ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं विवाहिता के परिजनों ने पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी है। मंडौर थाना उतराव निवासी अजय कुमार भारती मजदूरी करता है। नौ महीने पहले उसका विवाह सदरेपुर सराय इस्माइल में एकता से हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों के बीच अनबन होने लगी। इस बीच एकता ने गुरुवार रात अपने कमरे में साड़ी

का फंदा बनाकर फांसी पर लटक गई। शुक्रवार तड़के जब उसके पति देखा तो उसके होश उड़ गए। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वहीं सूचना पर पुलिस पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की जांच में सुसाइड का कारण घरेलू कलह बताया गया। थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी का कहना है कि मृतका के परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। यदि तहरीर मिली तो जांच करा कर कार्यवाही की जाएगी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर से रेलवे को चूना लगाने वाला शातिर गिरफ्तार, करता था ई टिकटों की दलाली

प्रयागराज। प्रयागराज रेलवे द्वारा प्रतिबंधित पांच साफ्टवेयरों और 190 पर्सनल आईडी.का प्रयोग करके रेलवे के ई–टिकटों का अवैध व्यापार करने वाले एक शातिर अभियुक्त को रेलवे पुलिस ने शिवनगर कालोनी, अल्लापुर थाना–जार्जटाउन से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अश्विनी सिंह यादव पुत्र लल्लू लाल निवासी अल्लापुर बिना कोई रेलवे एजेन्ट आईडी लिए अपने घर से ही रेलवे टिकटों का अवैध व्यापार किया करता था। उसके लैपटॉप से पुलिस ने तेज, गदर, नासा, हंटर, ब्लैक टर्बो आदि प्रतिबंदित सॉफ्टवेयर मिले हैं। उसके पास से 81 हजार रुपये से अधिक मूल्य के कई टिकट भी मिले हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी काफी चालाकी से अपने घर में लैपटॉप और मोबाइल पर आनलाइन प्रतिबंधित साफ्टवेयरों को खरीदकर उनके माध्यम से तत्काल टिकटों को निकाल कर अवैध व्यापार किया करता था। बचाव के लिए किसी दुकान या बोर्ड का इस्तेमाल नहीं करता था ताकि आसानी से उसे पकड़ा न जा सके। उसके पास से डेल कंपनी का लैपटॉप, रेडमी कंपनी का स्क्रीन टच मोबाइल व और पांच सौ रुपया नकद बरामद किया गया। सहायक उप निरीक्षक उमेश कुमार सरोज, हेड कांस्टेबल प्रवीण कुमार और लोकेश कुमार ने मुखबिर की सूचना पर उसे दबोच लिया।

कार्यालय – नगर निगम, प्रयागराज।

पत्रांक : 655/नि0सू0/2024 दिनांक : 12/09/2024

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

नगर निगम प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु अनुभवी इच्छुक फर्मो जो केन्द्र सरकार/राज्य सरकार/सरकारी प्राधिकरण/निगमों में पंजीकृत है से कार्यो की ई–निविदा टू बिड सिस्टम के आधार पर दिनांक 28/09/2024 को अपरान्ह्नलज 3•00 बजें तक आमंत्रित की जाती है। जिसकी तकनीकी बिड दिनांक 28/09/2024 को सायंकाल 04•00 बजें निविदा समिति के समक्ष निविदा खोली जायेगी। निविदा हेतु वांछित दो प्रतिशत जमानत धनराशि को NEFT/RTGS के माध्यम से इण्डसइण्ड बैंक सिविल लाइन्स, प्रयागराज में Earnest Money के नाम से खोले नये खाता संख्या 100116210062 व IFSC CODE- INDB0000124 में जमा किया जा सकता है अथवा दो प्रतिशत जमानत धनराशि सी0डी0आर0/एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0, भी मान्य होगा,(जो अधिशासी अभियन्ता/मुख्य अभियन्ता, नगर निगम प्रयागराज के पक्ष में बन्धक होगी)एवं निविदा शुल्क को NEFT/RTGS के माध्यम से Tender Cost खाता संख्या 1001162101 30 व IFSC CODE- INDB0000124 में जमा किया जाना अनिवार्य होगा। उक्त निविदा बिना किसी कारण बताये किसी भी समय निरस्त/अस्वीकृत किये जाने का सम्पूर्ण अधिकार सक्षम अधिकारी नगर निगम प्रयागराज में निहित होगा। निर्धारित जी0एस0टी0 का भुगतान बिल के साथ किया जायेगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जी0एस0टी0 रहित) लाख में	धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत लाख में	निविदा मूल्य जी0एस0टी0 सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	जोन–04 वार्ड–46 पूरा पड़ाईन शिवाजी नगर में शर्मा चक्की से रेलवे लाइन तक प्रमोद ओझा की गली नन्दन शुक्ला की गली सत्येन्द्र द्विवेदी की गली टी0पी0 सिंह की गली में आर0सी0सी0 नाली एवं कल्वर्ट निर्माण सुधार कार्य।	24.30	0.49	2832	02 माह
2.	जोन–02 वार्ड–76,57,97,88,95 अतरसुईया काशीनगर चौक गंगादास मुट्ठीगंज,नारायण सिंह नगर के आन्तरिक व मुख्य मार्गो का पैच मरम्मत का कार्य।	14.52	0.29	1770	01 माह
3.	जोन–04 के अन्तर्गत वार्ड सं0–62 नई बस्ती कीडगंज में मोहल्ला बाई का बाग में अमृतलाल जायरा के मकान से गोल्ड जी0टी0 रोड स्थित मस्जिद तक एवं लिंक रोड का पेवर द्वारा सड़क नाली एवं इण्टरलाकिंग का सुधार कार्य।	25.08	0.50	2950	02 माह
4.	जोन–04 बड़ा बघाड़ा में एम0आर0एफ0 सेंटर के एप्रोच मार्ग का निर्माण कार्य।	10.96	0.22	1298	01 माह
5.	जोन–03 अशोक नगर में सदर चौराहा व एस0टी0पी0 के पास एम0आर0एफ0 सेंटर के एप्रोच मार्ग का निर्माण कार्य।	30.56	0.61	3658	02 माह

नोट–निविदा का विवरण उत्तर प्रदेश की ई–निविदा प्राक्योरमेंट की बेबसाईड http://etender.up.nic.in पर होगी, शेष नियम व शर्ते एवं निविदा का विवरण बेबसाईड पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियंन्ता
नगर निगम प्रयागराज

भर्ती के लिए दिन-रात धरना दे रहे बेरोजगार

प्रयागराज। नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती को लेकर डीएलएड प्रशिक्षित अभ्यर्थियों का धरना दिन–रात जारी है। शुक्रवार को नौवें दिन अभ्यर्थी सिविल लाइंस पत्थर गिरजाघर स्थित धरनास्थल पर बैठे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि छह साल से सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है। दस लाख से अधिक डीएलएड बेरोजगार नई भर्ती की आस में ओवरएज होते जा रहे हैं। रजत सिंह, विकास सिंह, विनय सिंह, सुनील यादव, राहुल यादव, सुभाष यादव, धर्मवीर मौर्य आदि का कहना है कि 19 सितंबर को महाधरना देकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

किसानों की समस्या प्राथमिकता पर करेंगे दूर

प्रयागराज। किसानों की समस्याओं पर जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने शुक्रवार सुबह जिला कृषि अधिकारी, चकबंदी अधिकारी व अन्य अफसरों को बुलाकर उसका समाधान निकालने के लिए कहा। डीएम ने अफसरों को निर्देश दिया कि किसान समस्या प्राथमिकता पर दूर करें। चकबंदी के बहाने जमीन कब्जाने का आरोप लगाते हुए किसान यूनियन के दर्जनों सदस्य गुरुवार को डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया था। सभी ने सोरांव तहसील में चकबंदी अधिकारी पर उन्होंने आरोप लगाया था, साथ ही आवारा पशुओं से निजात दिलाने की मांग रखी थी। कार्यालय पहुंचे किसान यूनियन के साथ डीएम नवनीत सिंह चहल ने संगम सभागार में बैठक की और प्रत्यावेदन लेकर समस्याओं को तत्काल निस्तारित करने के लिए कहा। जिसके बाद शुक्रवार को डीएम ने समस्याओं के निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देश दिए।

प्रयागराज से आंदोलनों को हमेशा धार देते रहे येचुरी

प्रयागराज। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम येचुरी का प्रयागराज की धरती से लगाव रहा। कम्युनिस्ट संचालित आंदोलनों को उन्होंने इस जिले से हमेशा से धार दी। उनके निधन की खबर से प्रयागराज में शोक की लहर है। कम्युनिस्ट नेताओं का कहना है कि उनका जाना शोषित समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है। मध्य प्रदेश से चुनाव जीतकर वह अक्सर प्रयागराज (पूर्व में इलाहाबाद) आते थे। वर्ष 1997 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ में छात्रों की संयुक्त कन्वेंशन को संबोधित करने के लिए आए थे। उनका भाषण सुनने के लिए सभा स्थलों पर छात्रों की भीड़ लग जाती थी। वर्ष 2003 में विश्वविद्यालय के तत्कालीन उपाध्यक्ष सोमनाथ सिंह की मूर्ति के अनावरण में आए थे। छात्र संघ सभागार में भाषण देने के बाद सोमनाथ सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। आज भी प्रतिमा के नीचे उनका नाम लिखा है। वर्ष 2005 में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदेश सम्मेलन को संबोधित करने के लिए प्रयागराज आए थे। आखिरी बार वह तीन अक्तूबर 2021 को प्रयागराज आए थे। शंकरलाल मेमोरियल हॉल में उन्होंने सीपीआईएम की प्रदेश कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया था। इस दौरान घंटों पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर रणनीति बनाई थी।

अब 16 सितंबर को चलेगी आगरा वंदेभारत

प्रयागराज। आगरा कैंट–वाराणसी वंदेभारत अब 16 सितंबर को शुरू होगी। आगरा कैंट से ट्रेन शाम 4:15 बजे चलेगी जो रात नौ बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। वहीं, वाराणसी से 20 कोच वाली देश की पहली वंदेभारत भी अब 16 सितंबर को चलेगी। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री कार्यालय से कार्यक्रम को बदलने का निर्देश मिला है। गुरुवार को 20 कोच वाली वंदे भारत का ट्रायल एनसीआर में हुआ। दिल्ली से चलने के बाद शाम 4:30 बजे प्रयागराज के रास्ते वाराणसी गई। चर्चा है कि उद्घाटन को लेकर पीएम का कार्यक्रम बदल गया है। यही कारण है कि उद्घाटन अब 16 सितंबर को होगा। हालांकि रेलवे ने आधिकारिक तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया है। इसी दिन 20 कोच वाली वंदेभारत को शाम 4:15 बजे पीएम मोदी वर्चुअली हरी झंडी दिखाएंगे जो शाम 6:10 बजे प्रयागराज जंक्शन आएंगी।

जमाने में वही जिंदा है जिसका नाम जिंदा है....

सर्वजनिक गणपति महोत्सव मंच पर पहुंचे कवियों ने बांधी समां:

नैनी। स्थानीय श्रमिक बस्ती स्थित मानस पार्क में चल रहे सार्वजनिक गणपति महोत्सव के दौरान मंच पर पहुंचे कवियों ने श्रोताओं को जी भर गुदगुदाते हुए खूब समां बांधी।। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार राजेंद्र शुक्ला ने किया। कवयित्री नीलम तिवारी द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना के उपरांत अपने धारदार संचालन के दौरान चर्चित हास्य कवि अशोक बेशरम ने कहा– बनारस की सुबह जिंदा,अवध की शाम जिंदा है।है,संगम की रवानी और चारों धाम जिंदा है। यह जर जोरू जमीन के फेर में दुनिया का मेला है,जमाने में वही जिंदा है जिसका नाम जिंदा है। धनंजय शाश्वत ने अपनी हास्य व्यंग्य रचनाओं पर खूब तालियां बटोरी तो वहीं,नजर इलाहाबादी ने भी– हम भी गए नहाने संगम क्या बतलाएं आपसे,पत्नी ने था ठेल दिया हम गए ना अपने आप से, जैसी पंक्तियों पर खूब ठहाके लगवाये। जितेंद्र जलज ने पढ़ा– अपनी यमुना रहे, अपनी गंगा रहे।हम रहें ना रहें ये तिरंगा रहे। प्रतापगढ़ से आये शौर्य और राष्ट्रप्रेम के अनूठे कवि हरि बहादुर सिंह हर्ष ने राष्ट्रीय स्वाभिमान को जीवंत करते हुए श्री राम के आदर्श का बखान किया । तो वहीं कवयित्री राधा शुक्ला ने अपने प्रेम गीतों में प्रेमत्व का बखान कर सार्थक पंक्तियों पर खूब तालियां बटोरी। डॉ.वीरेंद्र सिंह कुसुमाकर ने शहीदों क बिहारी लाल अंबर में देर रात तक अपने अलग अंदाज में प्रस्तुत छड़िकाओं पर जमकर ठहाके लगवाए। ईश्वर शरण शुक्ला की रचनाओं में सामाजिक संस्कार की झलक मिली तो वहीं मंच की अध्यक्षता कर रहे डा.राजेंद्र शुक्ल ने पढ़ा–रिश्ते ना तोड़िए कभी यह टूटते नहीं,महोत्सव आयोजन समिति द्वारा सभी कवियों को सम्मानित किया गया । समापन पर गोलोकवासी लोक कवि रामलोचन सांवरिया की स्मृति में सभी ने मौन रखते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस मौके पर डॉ चन्द्र देव मिश्र,पं.महेश मधुकर, श्याम नारायण पाठक,रवि करन सिंह,अनिल विश्वकर्मा,राजकुमार त्रिपाठी,रणविजय सिंह,सत्यम शुक्ला सहित आयोजन समिति के लोग और बड़ी संख्या में श्रोत,महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

लोकपाल की पहल पर खेल मैदान में चला स्वच्छता अभियान

प्रतापगढ़ । सदर ब्लाक के राजगढ़ ग्राम में अयोध्या प्रयाग राज मुख्य मार्ग पर मनरेगा योजना के तहत बने खेल के मैदान की दशा देखकर लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त कार्यक्रम (ए पी ओ)सदर ज्योति शिवहरे को

अबिलम्ब सफाई कराने का निर्देश दिया। बृहस्पतिवार 12 सितंबर को लोकपाल समाज शेखर के निर्देश के बाद ए पी ओ ज्योति ने ग्राम पंचायत राजगढ़ को तत्काल स्वच्छता अभियान चला कर उपयोगी बनाने को कहा। शुक्रवार 13 सितंबर को ग्राम प्रधान के संयोजन मे ग्राम पंचायत ने खेल मैदान को साफ सुथरा करने हेतु स्वच्छता अभियान चलाकर की शुरुवात हुई। लोकपाल ने एपी ओ सहित ग्राम पंचायत की सराहना करते हुए नियमित इस सार्वजनिक स्थल की साफ सफाई होने और बच्चो को खेलने कूदने का अवसर प्रदान करने की अपेक्षा की।

लोकपाल ने मांधाता के भगवानपुर व छितपालगढ़ का किया औचक निरीक्षण व भ्रमण

प्रतापगढ़ स लोकपाल मनरेगा प्रतापगढ़ समाज शेखर ने ग्राम पंचायत लोकपाल ने मांधाता के भगवानपुर व छितपालगढ़ का किया औचक भ्रमण करके निरीक्षण किया। छितपालगढ़ के प्राचीन रियासत से जुड़े तालाब व मंदिर का सर्व प्रथम दर्शन करने के बाद ग्राम के अग्रणी व्यक्ति रवींद्र सिंह व संत विजय

कौशल के साथ सभी व्यवस्था का जायजा लेने के बाद इस स्थल के विकास हेतु ग्राम पंचायत को पर्यटन व मनरेगा विभाग से आवश्यक कार्य कराये जाने का सुझाव दिया। तदोपरांत लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने भगवानपुर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम के वरिष्ठ समाज सेवी संजय मिश्र तथा अन्य ग्रामीणों की मांग पर शारदा सहायक मुख्य नहर के किनारे स्थित प्राचीन तालाब के पुनरोद्धार की मांग पर ग्राम पंचायत को मनरेगा योजना बना कर कार्य कराने का निर्देश दिया। वहीं ग्राम मे रास्ते व नाली की समस्या को लेकर कुछ लोगो ने लोकपाल से मुलाकात कर पांडेय बस्ती की तरफ ले जाकर स्थलीय निरीक्षण कराया। लोकपाल ने प्रधान को राजस्व व विकास विभाग के सम्मिलित प्रयास से योजना बनाकर रास्ते व नाली के विवाद को हल करने का निर्देश दिया। ग्राम देवी महियामयी माता के स्थान के विकास हेतु भी सभी ग्राम वासीयो ने संकल्प लिया। लोकपाल ने पुनरू शीघ्र ग्राम मे स्थानीय अधिकारियों के साथ चौपाल लगाकर अन्य समस्या हल करने का आश्वासन दिया।

'ईश्वर शरण में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन'

प्रयागराज सराष्ट्रीय सेवा योजना ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा (1 से 15 सितंबर) के तत्वावधान में स्वच्छता कार्यक्रम एवं स्वच्छता शपथ का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय एन.एस.एस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण में ही स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है।अतः हम सभी को प्रत्येक सप्ताह 2 घंटे स्वच्छता के लिए समय देना चाहिए तथा अपने परिवार, कार्य

स्थल,समाज एवं समुदाय में अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना तथा इस कार्य के प्रति एक स्वस्थ जीवन शैली का निर्माण करते हुए हमारे युवा स्वयंसेवक स्वच्छता की इस मुहिम को पूरे देश में सफल बना सकते हैं। इसके साथ ही कार्यक्रम अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवको द्वारा महाविद्यालय परिसर स्थित स्टेडियम में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा साफ सफाई के पश्चात एकत्रित कचरे का निस्तारण किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ शैलेश कुमार यादव एवं डॉ रेफाक अहमद के द्वारा स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन करते हुए पूरे कार्यक्रम को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ रुचि गुप्ता एव सभी इकाइयों के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पेंशनर जीवित प्रमाण पत्र हेतु जनसेवा केन्द्र एवं साइबर कैफे से डिजीटल लाईफ सर्टिफिकेट जनरेट करायें

प्रतापगढ़। वरिष्ठ कोषाधिकारी अनामिका सिंह ने बताया है कि जनपद प्रतापगढ़ के कोषागार से पेंशन प्राप्त करने वाले ऐसे पेंशनरध्पारिवारिक पेंशनर जिनको अपना जीवित प्रमाण पत्र जमा करना है ऐसे पेंशनर अपने निकटतम जनसेवा केन्द्र एवं साइबर कैफे से रममअंदचतंउद.हवअ.पद वेबसाईट तथा नजदीकी डाकघर के माध्यम से डिजीटल लाईफ सर्टिफिकेट जनरेट कर प्रेषित कर सकते है। इस प्रक्रिया में पेंशनर्स को न तो कोषागार में आना पड़ेगा और न ही हार्डकापी भरकर कोषागार में देने की आवश्यकता है और पेंशनरध्पारिवारिक पेंशनर लम्बीध्कष्टप्रदध असुरक्षित यात्रा कर कोषागार में आये बिना सुविधापूर्वक पेंशन प्राप्त करते रहेगें।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं,

राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम राजस्व प्रकरणों का निष्पक्ष जांच कर निस्तारण करायें-जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट

कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता आशुतोष द्विवेदी निवासी सगरा सुन्दरपुर ने शिकायत किया कि सगरा सुन्दरपुर के गाटा संख्या 771ध 0.0210 हेक्टेयर जो सरकारी खाते में चकमार्ग दर्ज है जिस पर गांव के ही अजय तिवारी, रामसूति व धर्मराज तिवारी द्वारा कब्जा दखल है और रास्ते को बन्द करने की नियत से दिवाल बनाने का प्रयास किया जा रहा है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी लालगंज व एसओ लीलापुर को निर्देशित किया है कि संयुक्त टीम बनाकर शिकायत का निस्तारण करायें और किसी भी परिस्थिति में मार्ग में अवरोध न हो यह सुनिश्चित करायें। शिकायकर्ता धर्मेन्द्र निवासी हरपुरसौध (कैलीडीह) ने शिकायत किया कि प्रार्थी अत्यन्त गरीब है, प्रार्थी के जमीन का विवाद उसके पड़ोसी राम करन से चल रहा है और गुण्डा गर्दी के आधार पर प्रार्थी के जमीन पर जबरन निर्माण कर रहे है जिसका वाद माननीय उच्च न्यायालय लखनऊ खण्डपीठ लखनऊ में चल रहा है और स्टे है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी रानीगंज व एसएचओ रानीगंज को निर्देशित किया है कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का क्रियान्वयन सुनिश्चित करायें, यदि दोषी है तो उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े।

जिला स्तरीय हाकी, एथलेटिक्स, हैण्डबाल एवं क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 30 सितम्बर तक

प्रतापगढ़। क्रीड़ा अधिकारी पूनम लता राज ने बताया है कि जिला खेल कार्यालय प्रतापगढ़ के तत्वाधान में पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी के जन्म दिवस के अवसर पर दिनांक 17 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक जिला स्तरीय हाकी, एथलेटिक्स, हैण्डबाल एवं क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन प्रातः 9 बजे से किया जा जायेगा। विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार धनराशि उनके खाता में जमा किया जायेगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी अपने साथ पासबुक एवं आधार कार्ड की छायाप्रति, मोबाइल नम्बर साथ लाना आवश्यक है। उन्होने बताया है कि दिनांक 17 सितम्बर को राजकीय इण्टर कालेज में बालिका वर्ग में हाकी प्रतियोगिता का आयोजन, दिनांक 19 सितम्बर को स्टेडियम में बालकध्बालिका वर्ग में एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजन, दिनांक 23 से 28 सितम्बर तक स्टेडियम में बालक वर्ग में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन तथा दिनांक 30 सितम्बर को स्टेडियम में बालिका वर्ग में हैण्डबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अपने विद्यालयध्कालेज के लेटर पैड पर टीमों की प्रविष्टि प्रतियोगिता के एक दिन पूर्व कार्यालय में उपलब्ध करायें।

जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक 20 सितम्बर को

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया है कि जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक दिनांक 20 सितम्बर 2024 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में अपरान्ह 4 बजे आयोजित की गयी है। बैठक में समस्त समस्त सम्बन्धित अधिकारी व सदस्य समय से प्रतिभाग करें।

निजी हास्पिटल, नर्सिंग होम, डाईग्नोस्टि सेन्टर, पैथालॉजी व क्लीनिक का आनलाइन पंजीकरण 20 सितम्बर तक करायें

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद ने बताया है कि द् क्लीनिकल स्टेबलिसमेन्ट एक्ट 2010 के अन्तर्गत सभी निजी हास्पिटल, नर्सिंग होम, डाईग्नोस्टि सेन्टर, पैथालॉजी, क्लीनिक का आनलाइन पंजीकरण किया जाना अनिवार्य है, ऐसे में जनपद के समस्त निजी चिकित्सा संस्थान के संचालक जिन्होने संस्थान का पंजीकरण अभी तक नहीं कराया है वह दिनांक 20 सितम्बर 2024 तक पोर्टल पर पंजीकरण हेतु आवेदन कर दें। जिस संस्थान का पंजीकरण हो गया है उनके संचालक एच0एफ0आर0 आई0डी0 और चिकित्सा स ंस्था के चिकित्सकध स्टाफ का पूर्ण विवरण अंकित करें तथा डिस्प्ले ऑफ इनफार्मेशन के तहत अपने संस्थान की सूचना निर्धारित प्रारूप पर संस्थान के मुख्य गेट के पास आवश्य लगाकर पोर्टल पर अपलोड कराना सुनिश्चित करें। यदि निर्धारित समय के अन्दर नियमानुसार आनलाइन पंजीकरण करने हेतु आवेदन नहीं करते है तथा बिना पंजीकरण कराये चिकित्सा संस्थान संचालित पाया जाता है तो क्लीनिकल स्एबलिसमेन्ट एक्ट 2010 के अन्तर्गत सम्बन्धित संचालक के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु 16 सितम्बर तक करें आवेदन-जिला उद्यान अधिकारी

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा जनपद के कृषकों को सूचित किया है कि है उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहितध्बढ़ावा देने के उद्देश्य से वैज्ञानिक ढंग से मौनपालन किये जाने हेतु औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर व बस्ती एवं अधीक्षक राजकीय उद्यान प्रयागराज में दिनांक 16 सितम्बर 2024 से 15 दिसम्बर 2024 तक (90 दिवसीय) के प्रशिक्षण सत्र का आरम्भ हो रहा है। मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्तियों को अपने निकटतम सुविधा अनुसार संयुक्त निदेशक औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, संयुक्त निदेशक औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र बस्ती एवं अधीक्षक राजकीय उद्यान प्रयागराज से सम्पर्क कर निर्धारित रूप–पत्र पर दिनांक 16.09.2024 तक आवेदन कर मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है। आवेदन–पत्र के साथ दो सभ्रांत व्यक्तियों या राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण–पत्र आवश्यक है। यह प्रशिक्षण विभाग द्वारा निःशुल्क प्रदान किया जायेगा, प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रशिक्षर्थियों को ठहरने एवं खाने आदि की व्यवस्था स्वंय करनी होगी। इस प्रशिक्षण में पुरूष एवं महिलाये सभी वर्ग के अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है, इसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा आठ उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

उन्होने बताया है कि मधुमक्खी पालन अनुपूरक कृषि उद्यम के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मधुमक्खियाँ प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से किसानों के दैनिक जीवन से लेकर उनकी आर्थिक आय बढ़ोत्तरी में सहायक है। मधुमक्खिंयं से शहद उत्पादन के साथ–साथ फसलों में पर–परागण से पौधों की जीवितता एवं उत्पादन में वृद्धि होती है।

'डॉ0 ज्योति मिश्रा को बधाई देने का लगा तांता'

प्रयागराज । इलाहाबाद विश्वविद्यालय संगीत एवं प्रदर्शन कला विभाग की सहायक आचार्य डॉ ज्योति मिश्रा बनारस घराना के प्रसिद्ध तबला वादक ताल मार्तण्ड पं०नंद कुमार मिश्र की सुपुत्री हैं ।आप मेजा के भृंगारी ग्राम की रहने वाली हैं।आपने संगीत गायन की शिक्षा पं०वी डी मिश्रा से प्राप्त की वर्तमान में आप ध्रुपद गायन की शिक्षा प्रो पं० प्रेम कुमार मल्लिक से ग्रहण

कर रही हैं।आप ठुमरी खध्याल सुगम व ध्रुपद की विशिष्ट कलाकार हैं।आपने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपना गायन प्रदर्शित कर चुकी हैं।आपने संगीत विषय पर सात किताबें भी लिखी हैं।आपको संगीत के क्षेत्र में अथक कार्य हेतु कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। आप संस्कार भारती प्रयागराज की उपाध्यक्ष भी हैं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संगीता नाटक अकादमी का सदस्य चुने जाने पर संस्कार भारती प्रयागराजके के पदाधिकारी सुशील राय,अध्यक्ष योगेंद्र मिश्र, उपाध्यक्ष प्रेमलता मिश्रा,कोषाध्यक्ष शंभू नाथ श्रीवास्तव , मीडिया पभारी कला – प्रमुख कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा एवं संस्कार भारती के सभी पदाधिकारियों ने बहुत–बहुत हार्दिक बधाई दी है शहर के संगीतकारों कलाकारों एवं संगीत–प्रेमियों का बधाई देने का तांता लगा हुआ है।

लखनऊ में वक्फ बिल का क्यूआर कोड से विरोध

मौलाना खालिद बोले, वक्फ संपत्ति के बारे लोगों को किया जा रहा गुमराह, बिल स्वीकार नहीं

लखनऊ, एजेंसी। वक्फ बिल संशोधन के विरोध की मुहिम तेज हो गई है। आज वक्फ बिल के विरोध का अंतिम दिन है। मस्जिदों में जुमा की नमाज के दौरान खुतबा (नमाज के बीच दिए जाने वाला भाषण) में बिल के संबंध में नमाजियों को जागरूक किया गया। ऐशबाग स्थित ईदगाह की मस्जिद में बड़ी तादाद में नमाजियों ने क्यूआर कोड स्कैन कर अपना विरोध दर्ज कराया है। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने जुमे कि नमाज में खुतबे में नमाजियों को जागरूक किया। मौलाना ने कहा– प्रस्तावित बिल आने से 70 प्रतिशत वक्फ संपत्ति डेंजर जोन में चली जाएगी। बिल का हम शुरू से विरोध कर रहे हैं। वक्फ संशोधन अधिनियम 2024 में 40 बिंदु शामिल किए गए हैं। मौलाना ने कहा कि वक्फ संपत्ति के बारे में लोगों को गुमराह किया जा रहा है। यह वह संपत्ति है जो हमारे बुजुर्गों ने अल्लाह के नाम पर दान कर दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत ..मंडौर.. विकासखंड ....मऊ....चित्रकूट

पत्रांक/ मेमो /15वॉं वित्त/ राज्यवित्त/टेंडर नोटिस /2024-2025 दिनांक- 13-09-2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

15वॉं वित्त / राज्यवित्त/ योजना के अंतर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा व्यापार कर/आयकर में पंजीकृत फर्मो/सप्लायरो से दिनांक. 21-09-2024 को अपरान्ह..01..बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदायें आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह..03..बजे तक ग्राम पंचायत मे तैनात निर्माण समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओ के साथ खोली जाएगी | निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 14-09-2024 से 21-09-2024 को अपरान्ह 01बजे तक ग्राम पंचायत में विविध प्रपत्र मूल की अदायगी कर क्रय किये जा सकते है |

क्र० सं०	कार्य का नाम	सामग्री का विवरण	मात्रा	प्राकलन की धनराशि लाख रु० में	प्रतिशत धरोहर धनराशि रु० में	निविदा मूल्य रु० में
01.	ग्राम पंचायत मंडौर मे रमेश तिवारी के घर से रंगनाथ मिश्रा (ई.टी.सी.) तक नाली सी०सी० रोड निर्माण कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	2.19 लाख	2%	500

निविदा शर्ते-

नोट- निविदा से सम्बन्धित शर्ते ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है
समस्त सामग्री का नाम और उसकी मात्रा ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

ग्राम विकास अधिकारी
सचिव मंडौर

ग्राम पंचायत
प्रधान मंडौर

सम्पादकीय.......

मरीजों की फिक्र

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सहकर्मी से दुराचार व हत्या के विरोध में आंदोलित जूनियर डॉक्टरों को देशव्यापी समर्थन मिलता रहा है। राज्य में भी उन्हें व्यापक सहानुभूति मिली है। निस्संदेह कार्यस्थल पर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व न्याय की उनकी मांग तार्किक ही है। लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सा सेवाओं को ठप नहीं किया जा सकता। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में वे ही मरीज उपचार के लिये आते हैं, जो महंगे अस्पतालों में इलाज नहीं करा पाते। पश्चिम बंगाल सरकार कह रही है कि हड़ताल शुरू होने के बाद उपचार के अभाव में 23 मरीजों की जान चली गई है। ऐसे में हड़ताली डॉक्टरों को तुरंत काम पर लौटना चाहिए। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए था। लेकिन विडंबना है कि हड़ताली जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नजरअंदाज किया। एक माह से जारी हड़ताल से चिकित्सा सुविधाओं का बाधित होना स्वाभाविक है। सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है। असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है। लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर–दर की ठोकरें खाते देखा गया है। राज्य सरकार का दावा है कि करीब छह लाख से अधिक मरीज इस हड़ताल के कारण आवश्यक उपचार से वंचित हो गए। निस्संदेह, ये आंकड़े सोचने को विवश करते हैं कि किसी हड़ताल का यथार्थ में कितना व्यापक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताली डॉक्टरों की प्रति सहानुभूति व्यक्त की है, लेकिन साथ ही चेताया भी कि उनका विरोध प्रदर्शन उनकी ड्यूटी की कीमत पर नहीं हो सकता। साथ ही आश्वासन भी दिया है कि अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा महिला कर्मचारियों के लिये अलग ड्यूटी रूम बनाये जाने जैसे सुरक्षा उपायों को अविलंब क्रियान्वित किया जाएगा। निस्संदेह, डॉक्टरों को देश की न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास कायम रखना चाहिए और अपनी ड्यूटी को अविलंब आरंभ कर देना चाहिए। उनकी अस्पतालों में अनुपस्थिति जहां रोगियों की मुश्किलें बढ़ाती है, वहीं चिकित्सा जैसे आदर्श पेशे के प्रति जनता के विश्वास को भी घटाती है। यही वजह है, अदालत को कहना पड़ा कि आदेश के पालन से इनकार करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इसमें दो राय कि देश के चिकित्सा संस्थानों तथा अस्पतालों में असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। इन मुद्दों का अविलंब निस्तारण होना भी चाहिए। लेकिन उन्हें इस बात का भी अहसास होना चाहिए कि लंबे समय तक इस तरह की अवज्ञा न्याय को कमजोर करती है। निस्संदेह, पश्चिम बंगाल के चिकित्सकों के अपने काम पर लौटने का वक्त आ गया है। जिससे उपचार तथा न्याय बिना देरी के आगे बढ़ सकें। लेकिन साथ ही राज्य सरकार को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि क्यों चिकित्सा बिरादरी व आम लोगों में उसकी कारगुजारी को लेकर अविश्वास पैदा हुआ है। क्यों कलकत्ता हाईकोर्ट को मामले की जांच सीबीआई को सौंपनी पड़ी। आखिर क्यों इस मामले में अभियुक्त व मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल की गिरफ्तारी के बाद भी आक्रोशित डॉक्टरों का भरोसा नहीं लौट रहा है। निस्संदेह, ये हालत शासन–प्रशासन की कारगुजारियों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। वहीं दूसरी ओर हड़ताली डॉक्टरों व कर्मचारियों को नोटिस दिए जाने से भी बात बनती नजर नहीं आ रही है। लेकिन एक बात तो साफ है कि सरकार व हड़ताली डॉक्टरों व कर्मचारियों में टकराव की कीमत मरीजों को चुकानी पड़ रही है। वैसे कोई भी सरकार दावा नहीं कर सकती कि उसके यहां अपराध नहीं होते और भविष्य में नहीं होंगे। लेकिन इसके बावजूद किसी भी वारदात के बाद शासन–प्रशासन से संवेदनशील व्यवहार की तो उम्मीद की ही जानी चाहिए। इस मामले में ममता सरकार से कई मामलों में चूक हुई है, जिसके चलते डॉक्टरों को सड़कों पर उतरना पड़ा है। उन्हें आशंका थी कि शायद पीड़िता को न्याय न मिल सके। बहरहाल, संकट का शीघ्र समाधान जरूरी है।

राहुल ने बताई वस्तुस्थिति

एजेंसी

देश के पहले आम चुनाव के बाद बनी प्रथम लोकसभा में (1952) कांग्रेस ने जीवी मावलंकर तथा विपक्ष ने शंकर शांताराम मोरे को इस पद के लिये उम्मीदवार बनाया था। मावलंकर ने 394–55 से जीत हासिल की थी।

अमेरिका में राहुल गांधी द्वारा प्रेस कांफ्रेंस में जो कुछ कहा गया उसे लेकर कई मुद्दों पर फिर से बवाल हुआ है। टेक्सास के डलास में भारतीयों के बीच उन्होंने जो कहा था, उसे लेकर गिरिराज सिंह, पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत तकरीबन दो दर्जन भाजपाइयों ने अपनी समझ और पार्टी लाइन के अनुसार राहुल की आलोचना कर दी है। अब वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब के सामने राहुल गांधी ने जो कुछ कहा है, उसकी आलोचना एवं तोड़–मरोड़ करने योग्य अंश निकालकर भाजपा हमलावर तो है पर राहुल द्वारा व्यक्त विचारों को सही परिप्रेक्ष्य में देखे जाने की जरूरत सभी को है। अमेरिका किसी भी देश में लोकतंत्र के बनने–बिगड़ने को वैश्विक दृष्टिकोण से देखने का आदी है। राहुल ने इसी देश की अपनी पिछली यात्रा एक सांसद के रूप में की थी, तो इस बार वे वहां पर विपक्ष के नेता के तौर पर हैं। इस पद की अहमियत को भी लोकतांत्रिक रूप से सजग और परिपक्ववह देश जानता है। पहले के मुकाबले भाजपा का अधिक तिलमिलाना स्वाभाविक तो है लेकिन राहुल देश की वास्तविकताओं से वहां की प्रेस को अवगत करा चुके हैं। हालांकि जिस मंच को उन्होंने सम्बोधित किया वह कोई स्थानीय प्रेस नहीं बल्कि जैसा कि नाम से ही स्पष्ट होता है, वह अंतरराष्ट्रीय प्रेस बिरादरी है। जून, 2023 में भी वे इस मंच को सम्बोधित कर चुके थे। पहले तो यह बात कर ली जाये कि उनके किन बयानों को भाजपा अपने पक्ष में मोड़ रही है। आरक्षण को लेकर उन्होंने जो कहा है, उसका आशय यह था कि जब आरक्षण खतम करने की स्थिति आयेगी, तब उस पर सोचा जायेगा। इसे ऐसे पेश किया जा रहा है कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के पक्ष में है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस आरक्षण को 50 प्रतिशत तक करना चाहती है। पाकिस्तान को लेकर पूछे गये सवाल पर उनकी लाइन वही थी जो कांग्रेस की सरकार के रहते थी। उन्होंने कहा कि उस देश से आतंकवादी गतिविधियां संचालित होती हैं। यह सर्वविदित है और पहले से अमेरिका तक इसे कहता आया है। सरकार समर्थक मीडिया इसे मोदी के साथ राहुल का होना बतला रहा है। ऐसे ही, बांग्लादेश में हो रही हिंसा को भी उन्होंने गलत बताया है। बहुत सम्भव है कि भाजपा का आईटी सेल इसे ऐसा प्रस्तुत करे कि श्वहां के अल्पसंख्यकों (हिन्दू) के साथ हो रही हिंसा को लेकर राहुल को भी बयान देना पड़ा।श इन दोनों–तीनों बातों में दम नहीं है और बहुत भरोसे के साथ कहा जा सकता है कि राहुल के कई बयानों को जिस प्रकार से पहले तोड़ा–मरोड़ा गया था लेकिन वे प्रयास कोई कारगर नहीं हो पाये थे, उसी प्रकार यह दुष्प्रचार भी बहुत लम्बा टिकने वाला नहीं है। ऐसे एक–दो मुद्दों को छोड़ दिया जाये तो भाजपा के पास राहुल की आलोचना हेतु गिने–चुने हथियार ही रह जाते हैं। जैसे, उन्हें इस बात के लिये कोसा जाये कि उन्होंने भारत की बदनामी विदेशी धरती पर की है, आदि। राहुल के भाषण के कंटेंट पर आयें तो कहा जा सकता है कि उन्होंने भारत में लोकतंत्र की वर्तमान हालत, उसके इस स्थिति तक पहुंचने और भविष्य की तस्वीर का खाका खींचा है। विपक्ष के नेता के तौर पर जो उनका दायित्व है, उन्होंने वह पूरा किया है। उन्होंने बतलाया कि 2014 में, यानी जब भाजपा ने केन्द्र की सरकार बनाई थी, तभी से सत्ता ने देश के लोकतांत्रिक ढांचे की नींव पर ऐसा हमला करना शुरू किया जो पहले कभी नहीं देखा गया था। उन्होंने इस बात की जानकारी दी कि किस कठिनाई से कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। इसके साथ ही, नरेन्द्र मोदी ने संवाद के सारे रास्ते बन्द कर दिये हैं। आम तौर पर लोकतंत्र के लिये काम करने वाले सारे संस्थान बन्द कर दिये हैं। इतना ही नहीं, विपक्ष पर हमले किये गये तथा विरोधी दलों की निर्वाचित राज्य सरकारों को मोदी ने उखाड़ फेंका है। इसलिये उन्हें श्भारत जोड़ो यात्राश तथा श्न्याय यात्राश निकालनी पड़ी थी। उनके पास देशवासियों से जुड़ने का एकमात्र यही रास्ता बचा रह गया था। उन्होंने माना कि यह एक कठिन लड़ाई थी जिसने उन्हें भी व्यक्तिगत रूप से बदला है।राहुल ने ऐसी कोई नयी बात नहीं कही है। इनमें से अधिकतर बातें वे सभी जगहों पर कहते आये हैं। यह तो मोदी सरकार एवं भाजपा को सोचना होगा कि जो मुद्दे राहुल ने उठाये हैं, उन्हें तोड़–मरोड़कर जनता के सामने पेश किया जाये या देश में लोकतंत्र की स्थिति को सुधारने के लिये वह कुछ करे। हालांकि दूसरी बात की सम्भावना काफी कम है क्योंकि मोदी में न तो वह साहस है और न ही ऐसा करना उन्हें मुफीद पड़ेगा। यह सवाल इसलिये उठता है क्योंकि 22 सितम्बर को मोदी खुद अमेरिका की यात्रा पर पहुंचेंगे। राहुल और मोदी दोनों की यात्राएं ऐसे वक्त पर हो रही हैं जब वहां राष्ट्रपति चुनाव काफी नजदीक है। जिन डोनाल्ड ट्रम्प (रिपब्लिकन पार्टी) के लिये 2020 में मोदी अबकी बार ट्रम्प सरकार का नारा देकर अपनी फजीहत करा चुके थे, वे फिर से प्रत्याशी तो हैं लेकिन उनकी विरोधी कमला हैरिस (डेमोक्रेट) लोकप्रियता व समर्थन के मामले में काफी आगे निकल चुकी हैं। उन्हें तो व्हाईट हाउस की दहलीज पर खड़ा बताया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में भाग लेने जा रहे मोदी का वे सवाल पीछा करेंगे जो राहुल उनके लिये छोड़कर स्वदेश लौट रहे हैं। मोदी को राहुल के उठाये मुद्दों के जवाब देने होंगे।

भेड़िया आया, भेड़िया पकड़ाया

सर्वमिता सुरजन

उत्तर प्रदेश के बहराइच में पिछले कई दिनों से भेड़ियों के आतंक की खबर आ रही थी। भेड़ियों के हमले से ग्रामीण बचाव की गुहार लगा रहे थे, जिसके बाद वन विभाग हरकत में आया। टीम बनाई गई, रणनीति बनाई गई, जाल बिछाया गया और अब तक पांच भेड़ियों को पिंजड़े में बंद करने में वन विभाग को सफलता मिल गई है। भेड़िए प्रकृति से हिंसक हैं, आदमखोर भी हो सकते हैं, लेकिन हैं तो आखिर में जानवर ही, जो प्रकृति के नियमों से बंधे होते हैं। उनमें छल कपट नहीं होता, चालाकी नहीं होती कि अपने दांत और नाखून छिपा कर घूमें ताकि जंगल के दूसरे जानवर उनकी असलियत पहचान न सकें। जानवर को अगर हमला करना होता है तो उसके लिए जो घात लगाई जाती है, उसकी इजाजत प्रकृति से मिली होती है। बिना बात जानवर हमले नहीं करता, खुद की श्रेष्ठता दिखाने के लिए दूसरे जानवर को अपमानित नहीं करता, एक जानवर जंगल में पानी के स्रोत पर अपना कब्जा दिखाकर दूसरे जानवर को पानी पीने से वंचित नहीं करता। जानवर रंग या कद के हिसाब से भेदभाव नहीं करता। इसलिए जंगल शेर, लोमड़ी, हाथी, हिरण, बंदर, गिलहरी, चींटी, सांप, नेवला, सूअर और भेड़िए सभी के सहअस्तित्व से बना है। इंसान जिसे जंगलराज कहकर अपमानित करता है, असल में उस जंगलराज से बहुत कुछ सीखे जाने की गुंजाइश बाकी है। बहरहाल, भेड़िए वन विभाग के बिछाए जाल में फंस गए, क्योंकि उनमें धूर्तता नहीं थी। अब इन हिंसक कहे जाने वाले भेड़ियों के साथ क्या सलूक होता है। उन्हें जिंदा रखा जाता है, या मार दिया जाता है, या पिंजड़े में कैद करके मनुष्यों के मनोरंजन के लिए छोड़ दिया जाता है, ये पता नहीं। लेकिन भेड़ियों को पकड़ने की इस खबर से जिज्ञासा उपजी कि समाज में जो अलग–अलग तरीकों के इंसानियतखोर हैवान घूम रहे हैं, क्या उन्हें पकड़ने या काबू में करने के लिए कोई रणनीति कभी बनेगी या समाज हमेशा इस डर में ही कैद रहेगा कि न जाने किस रंग, रूप, शक्ल में उस पर हमला हो जाए। हाल की कुछ घटनाओं से इंसानियतखोरों के खतरे को कुछ और विस्तार से समझा जा सकता है। मध्यप्रदेश के उज्जैन शहर से एक दिल दहलाने वाला वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दिन दहाड़े, सरेआम, व्यस्त सड़क पर एक महिला के साथ बलात्कार होता रहा और इस अनाचार को रोकने की जगह उसका वीडियो बनाया गया। इस घटना ने बता दिया कि साल में दो–दो बार शक्ति की पूजा मनाने वाले इस देश में महिला सुरक्षा और सम्मान की तमाम बातें ढोंग के अलावा कुछ नहीं है। इस मामले में आरोपी को पहचान कर अब गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन इस पर जिस तरह की राजनीति हुई और जनसामान्य में इस गंभीर मुद्दे पर जितनी चिंता दिखनी चाहिए थी, वह नहीं दिखी, यह सबसे अधिक परेशान करने वाला तथ्य है। मप्र में भाजपा की सरकार है और विपक्ष में बैठी कांग्रेस ने जब इस मुद्दे पर सवाल उठाए तो भाजपा की ओर से कहा गया कि आरोपी पकड़ा गया है। कांग्रेस प्रदेश को बदनाम करने के कुत्सित प्रयास कर रही है। आरोपी और पीड़िता दोनों एक–दूसरे से पहले से परिचित हैं, बाकी स्पष्टता से जांच के बाद सामने आ जाएगी। भाजपा की बचाव की इन दलीलों को सुनकर आश्चर्य होता है कि यह वही भाजपा है, जो प.बंगाल में बलात्कार की घटना पर कई दिनों तक हंगामे को जारी रख सकती है, लेकिन मध्यप्रदेश में बलात्कार की घटना पर आरोपी के पकड़े जाने को उपलब्धि की तरह पेश करती है। समाज को इस तरह के तर्कों के बाद सतर्क हो जाना चाहिए, लेकिन समाज में भी मंदिर–मस्जिद की खुमारी अब तक तारी है। इसलिए मणिपुर में महिलाओं की नग्न परेड से लेकर उज्जैन में सरेराह बलात्कार की घटना में उसे अहसास ही नहीं हो रहा कि हम सभ्यता के पैमाने पर कितना नीचे गिर चुके हैं। एक अन्य उदाहरण हिमाचल प्रदेश से सामने आ रहा है। जहां इस समय कांग्रेस की सरकार है, लेकिन हिंदुत्व अपनी उग्रता दिखाने के लिए बेताब दिख रहा है। शिमला के संजौली में एक मस्जिद को अवैध बताते हुए उसे गिराने की मांग करने के लिए कानून–व्यवस्था सभी को चुनौती दी जा रही है। बुधवार को हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी संजौली में ढली सब्जी मंडी के पास पहुंच गए और चक्का जाम कर दिया गया। पुलिस ने रोकने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़ दिए और मस्जिद की तरफ बढ़ने लगे, लिहाजा पुलिस को पानी की बौछार और लाठी चार्ज का सहारा लेना पड़ा। दरअसल कुछ समय पहले यहां दो गुटों में मारपीट हुई थी, जिसमें आरोप है कि कुछ लोग मस्जिद में जाकर छिप गए। इसके बाद से ही हिंदू संगठन मस्जिद को गिराने की मांग कर रहे हैं। यहां भले ही मस्जिद के अवैध निर्माण का वास्ता दिया जा रहा है, लेकिन असल में यह सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने और हिंदुत्व का दबदबा कायम करने की कोशिश ही है। अगर मस्जिद अवैध तरीके से बनी है, तो उस पर नगरनिगम कार्रवाई करेगा, इसके लिए हिंदू संगठनों को शक्तिप्रदर्शन की जरूरत क्यों पड़ रही है। क्या मस्जिद गिराने की आड़ में सरकार गिराने का कोई खेल चल रहा है या फिर सांप्रदायिक तनाव बढ़ाकर एक बार फिर अल्पसंख्यकों को दोयम स्थान पर दिखाने की कोई साजिश चल रही है। उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, हाल के बरसों में ये तमाम राज्य सांप्रदायिक तनाव के शिकार बन चुके हैं, क्या उस कड़ी में अब हिमाचल प्रदेश को जोड़ा जा रहा है। असलियत जो भी हो, यहां भी सीधे–सीधे इंसानियत का ही शिकार हो रहा है। एक और प्रसंग आठ सितंबर का है, जिसमें न किसी का शोषण हुआ है, न कोई उग्र प्रदर्शन या कानून हाथ में लेने जैसी घटना हुई है, सब कुछ सभ्यता के आवरण में हुआ, लेकिन उसके निहितार्थ क्या हैं, ये समझने की जरूरत है। दरअसल विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के विधि प्रकोष्ठ ने राजधानी दिल्ली में आठ तारीख को एक बैठक आयोजित की, जिसमें वाराणसी और मथुरा के मंदिरों से जुड़े कानूनी विवाद, वक्फ (संशोधन) विधेयक के साथ–साथ धर्मांतरण के मुद्दों पर चर्चा हुई। विहिप हिंदुत्ववादी संगठन है, तो वह इसी तरह के एजेंडे पर बैठक करेगा, इसमें कोई आश्चर्य नहीं है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस बैठक में सुप्रीम कोर्ट और कई हाईकोर्ट के करीब 30 पूर्व जज शामिल हुए। विहिप के मुताबिक इस बैठक का उद्देश्य जजों और विहिप के बीच विचारों का स्वतंत्र विनिमय था, ताकि दोनों एक–दूसरे के प्रति समझ विकसित कर सकें। यह कितनी खतरनाक बात है कि जब वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा में शाही ईदगाह पर हिंदुत्ववादी संगठन के दावों जैसे मुद्दे अदालतों में लंबित हैं, तब इन्हीं मुद्दों पर शामिल बैठक में पूर्व जज शामिल हो रहे हैं। भले कानूनी तौर पर इसमें कोई अड़चन न दिखे, लेकिन क्या इन फैसलों पर इस बैठक के प्रभाव से इंकार किया जा सकता है। पूर्व जजों के अलावा केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी बैठक में उपस्थित हुए, यह और परेशान करने वाली बात है। क्योंकि सरकार और परोक्ष तरीके से न्यायपालिका दोनों विहिप के साथ रहेंगे, तो फिर निष्पक्ष फैसले कैसे लिए जाएंगे। विहिप आगे भी इस तरह बैठकें आयोजित करने पर विचार कर रहा है। एक विहिप नेता के मुताबिक विचारों का यह आदान–प्रदान विधिक समुदाय को हमारे विचार समझने में मदद करेगा, और हम हमारा एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए कुछ कानूनी समझ विकसित करेंगे। हम हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के कानूनी तरीके तलाश रहे हैं। देश ने बाबरी मस्जिद को तोड़कर उसी जमीन पर राम मंदिर बनते हुए देख लिया है, जबकि मस्जिद तोड़ने वाले दोषी अब तक सजा से दूर हैं। अब विहिप अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के कानूनी तरीके तलाश रहा है। इसके बाद नरेन्द्र मोदी हिंदू–मुस्लिम एकता का ज्ञान देते हैं और अमित शाह राहुल गांधी पर भाषा और धर्म के आधार पर देश को विभाजित करने के आरोप लगाते हैं। समाज भेड़िया आया, भेड़िया आया की कहानी बार–बार सुनकर भी सबक नहीं ले रहा है। फिलहाल हम पांच भेड़ियों के पिंजड़े में कैद होने पर खुश हो लें, लेकिन वन विभाग के मुताबिक ऐसे भेड़िए दर्जन भर थे, यानी अभी बहुतों को काबू में करना बाकी है।

श्रीलंका में 21 सितंबर को हो रहा राष्ट्रपति चुनाव भारत के लिए महत्वपूर्ण

अरुण कुमार श्रीवास्तव

श्रीलंका में 21 सितंबर, 2024 को राष्ट्रपति चुनाव होंगे, जिसमें 220 लाख की कुल आबादी में से 170 लाख लोग मतदान करेंगे। विदेशी समाचार विश्लेषकों का मानना है कि श्रीलंका श्नयी दृष्टि, साहसिक सुधार और स्थिर नेतृत्वश का चयन करेगा। कुल 38 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भी शामिल हैं, जो एक स्वतंत्र उम्मीदवार हैं। विक्रमसिंघे ने खाद्यान्न, ईंधन, रसोई गैस और दवा की सामान्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कठोर मितव्ययिता उपाय लागू किये और करों में वृद्धि की, और उन्हें उम्मीद है कि मतदाता उन्हें देश की अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति में लाने के लिए एक और मौका देंगे। हालांकि, छह बार प्रधानमंत्री रह चुके विक्रमसिंघे को पुरानी पीढ़ी के उन राजनेताओं में से एक माना जाता है, जिन्हें मौजूदा आर्थिक गड़बड़ियों के लिए स्वयं को भी जिम्मेदार मानना चाहिए। विक्रमसिंघे के लिए मार्क्सवादी गठबंधन, नेशनल पीपुल्स पावर के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके एक प्रमुख चुनौती बनकर उभरे हैं। एक अन्य चुनौती विक्रमसिंघे की पार्टी, यूनाइटेड पीपुल्स पावर के सजित प्रेमदासा हैं। विभाजन के बाद, प्रेमदासा, जो राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के डिप्टी थे, अब इस पार्टी के नेता हैं। वह श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में एक और उम्मीदवार हैं। राजपक्षे वंश से, महिंद्रा राजपक्षे के बेटे नमिल राजपक्षे चुनाव लड़ रहे हैं। इन चार नेताओं में से एक के श्रीलंका के अगले राष्ट्रपति के रूप में उभरने की उम्मीद है। जबकि इन उम्मीदवारों ने अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है, सीमित संसाधनों और भारी बाहरी ऋणों के सामने पैंतरेबाजी के लिए सीमित जगह को देखते हुए, उनके चुनावी वायदों को शायद ही गंभीरता से लिया जाता है। जबकि दिसानायके उन युवाओं के बीच लोकप्रिय हैं जो एक कुशल और

भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चाहते हैं, प्रेमदासा अल्पसंख्यक तमिल वोटों पर भरोसा कर रहे हैं, और विक्रमसिंघे ने हाल ही में मुस्लिम वोटों पर नजर रखते हुए एक मुस्लिम मंत्री को नियुक्त किया है। जबकि हर कोई चाहता है कि भ्रष्टाचार खत्म हो और अर्थव्यवस्था की सामान्य स्थिति बहाल हो, कोई भी केंद्रीय मुद्दा चुनाव पर हावी नहीं है। पूर्व वित्त मंत्री एरन विक्रमरत्ने का कहना है कि श्रीलंका में सबसे बड़ी समस्या अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि कानून के शासन की अनुपस्थिति है। यदि कानून का शासन कायम रहता है और हर नागरिक को लगता है कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है, चाहे वह किसी भी स्थिति, शक्ति या धन का हो, तो हर नागरिक सम्मान के साथ रह सकता है। यह जानकर कि कानून काम करता है, विदेशी निवेशकों को इस देश में निवेश करने के बारे में विश्वास मिलेगा। साजिथ प्रेमदासाके एसजेबी ब्लूप्रिंट – समागी जन बलवेगया (एसजेबी) – के अनावरण के अवसर पर बोलते हुए मैंने दोहराया कि एसजेबी सरकार कानून के शासन को बनाये रखेगी और बढ़ावा देगी, अर्थव्यवस्था को वास्तविक सुधार और तीव्र विकास की ओर ले जाएगी,श उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा। श्रीलंका के सरकारी कर्मचारियों और सैन्य कर्मियों ने डाक से अपने वोट डालना शुरू कर दिया है। लगभग 700,000 सरकारी कर्मचारी वोट देने के पात्र हैं। हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण, अंतरराष्ट्रीय शक्तियां श्रीलंका में प्रभाव के लिए होड़ करती हैं। पड़ोसी क्षेत्रीय शक्तियां भारत और चीन अक्सर इस द्वीप राष्ट्र में प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा करते देखे जाते हैं। जबकि चीन ने कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बनायीं और हंबनटोटा बंदरगाह और लगभग 15,000 एकड़ जमीन 99 साल के पट्टे पर हासिल की, भारत ने आर्थिक संकट के दौरान 4अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह बाहरी ऋणों, ज्यादातर चीनी के बोझ तले दब न जाये। महिंद्रा राजपक्षे (2005–2015) के शासनकाल के दौरान, श्रीलंका ने चीनी ऋणों द्वारा वित्तपोषित कई महंगी अवसंरचना परियोजनाएं शुरू कीं, जिन्हें कई लोग सफेद हाथी मानते हैं, जो किसी वास्तविक उद्देश्य की पूर्ति नहीं करते। भारत और चीन के अलावा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित कई अन्य देश और ब्लॉक, श्रीलंका में इसके रणनीतिक स्थान के कारण प्रभाव डालने के इच्छुक हैं। लगभग 80प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय कार्गो इस क्षेत्र से होकर गुजरता है, और श्रीलंका में मजबूत आधार रखने वाला कोई भी व्यक्ति सत्ता समीकरणों को अपने पक्ष में झुका सकता है। इस कारण से, अंतरराष्ट्रीय शक्तियां श्रीलंका के चुनाव पर कड़ी नजर रखेंगी और जीतने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास करेंगी। चूंकि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था अभी भी अनिश्चित स्थिति में है, इसलिए राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले किसी भी व्यक्ति को इस बारे में अधिक स्वतंत्रता नहीं है कि वे आर्थिक या अंतरराष्ट्रीय नीतियों को कैसे लागू करना चाहते हैं। श्रीलंका ऋणदाताओं और दाताओं के दबाव में रहेगा। हालांकि, एक राष्ट्रपति चुनाव जिसमें लोग निर्णायक रूप से भाग लेते हैं और चुनाव के बाद सत्ता में आने वाली सरकार के साथ जुड़े रहते हैं, देश को एकजुट रखने और विदेशी हस्तक्षेप से बचने के लिए महत्वपूर्ण है।

मलाइका अरोड़ा के पिता ने सुसाइड से पहले आखिरी बार किन 2 लोगों को किए कॉल, एक्ट्रेस की मां ने किया खुलसा

> मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा को १० सितंबर की रात अपनी मां के अपार्टमिंट आयशा मनोर से निकलते हुए देखा गया था। जो उनकी अपने पिता से आखिरी मुलाकात थी। अब एक पुलिस सोर्स ने 'ईटाइम्स' को बताया, 'कॉल डिटेल्स से पता चला है कि उन्होंने अमृता अरोड़ा को कॉल किया था, वह उनके पिता के करीब थीं और उनकी काफी पसंदीदा थीं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा को लेकर इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। एक्ट्रेस के पिता अनिल अरोड़ा ने 11 सितंबर बुधवार सुबह खुदकुशी कर ली। 65 साल के अनिल ने बांद्रा स्थित बिल्डिंग आयशा मैनॉर की बालकनी से कूदकर खुदकुशी कर ली। कारणों का पता अभी नहीं चला है। अब अभिनेत्री की मां जॉयस पॉलीकार्प ने अपने पति के आखिरी बातचीत को लेकर खुलासा किया है। मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा को 10 सितंबर की रात अपनी मां के अपार्टमेंट आयशा मनोर से निकलते हुए देखा गया था। जो उनकी अपने पिता से आखिरी मुलाकात थी। अब एक पुलिस सोर्स ने 'ईटाइम्स' को बताया, 'कॉल डिटेल्स से पता चला है कि उन्होंने अमृता अरोड़ा को कॉल किया था, वह उनके पिता के करीब थीं और उनकी काफी पसंदीदा थीं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा की मां पॉली जेयसकार्प ने मुंबई पुलिस को दिए बयान में बताया है की सुबह के करीब ने 9 बज रहे थे। मैंने अनिल को पूरे घर में तलाशा, उनके रोजमर्रा के स्लीपर कमरे के बाहर उतरे हुए थे, लेकिन वो वहां मौजूद नहीं थे। फिर मैंने नीचे की तरफ झांक कर देखा तो हमारी सोसाइटी का गार्ड मदद के लिए चिल्ला रहा था। अनिल का शव देखकर मैं सन्न रह गई। मुझे समझ ही नहीं आ रहा है ये क्या हुआ और कैसे हुआ। उन्होंने अपनी दोनों बेटियों से आखिरी बार फोन पर बातचीत में कहा था कि अब बस मैं थक गया हूं। इस तरह से अनिल अरोड़ा की पत्नी ने उनकी सुसाइड से पहले ही पूरी जानकारी दी है। बता दें कि पिता की मौत से एक रात पहले मलाइका अरोड़ा पुणे में एक इवेंट का हिस्सा बनने गई थीं। मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए अपने पिता के निधन की खबर दी है। उन्होंने पोस्ट में लिखा है– हम अपने पिता अनिल अरोड़ा के निधन की अनाउंसमेंट करते हुए बेहद दुखी है। मलाइका अरोड़ा के पिता अनिल अरोड़ा एक पंजाबी फैमिली से नाता रखते थे। उन्होंने मलयालम क्रिश्चियन जॉयस पॉलीकार्प के साथ शादी रचाई थी। अलग धर्म में शादी करने को लेकर उनके परिवार में भी काफी कलह हुआ था। हालांकि, मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा के जन्म के बाद चीजें सामान्य हो गई थीं। मलाइका अरोड़ा के माता–पिता, अनिल और जॉयस पॉलीकार्प का तलाक तब हुआ था जब वह सिर्फ 11 साल की थीं। एक्ट्रेस की मां ने ही दोनों बेटियों की परवरिश की है। जो अलग होने के बाद चेंबूर से ठाणे चली गई। हालांकि, अब वे एक ही मंजिल पर रहते थे, जबकि मलाइका बांद्रा में एक अलग अपार्टमेंट में रहती थीं। पिता की मौत की खबर मिलते ही अर्जुन कपूर, सलीम खान, हेलेन, करीना कपूर, सैफ अली खान, सोहेल खान, सीमा सजदेह, किम शर्मा, रितेश सिधवानी और कई अन्य लोग संवेदना व्यक्त करने के लिए आयशा मनोर पहुंचे थे।

खतरों के खिलाड़ी' के बाद दर्द से गुजर रही थीं निमृत कौर, करानी पड़ी थी फिजियोथेरेपी

टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में खतरनाक स्टंट करने वाली एक्ट्रेस निमृत कौर ने कहा कि स्टंट के दौरान मसल्स में खिंचाव आने के बाद दर्द से राहत पाने के लिए उन्हें फिजियोथेरेपी करानी पड़ी थी. उन्होंने कहा कि उन्हें अब भी कभी–कभी दर्द होता है. शो में निमृत कौर को कई चुनौतियों से भरे स्टंट करते हुए देखा गया. रोंगटे खड़े कर देने वाले बिजली के झटकों से लेकर खौफनाक जीवों का सामना करने तक के स्टंट करते हुए देखा गया. अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए निमृत ने कहा, "खतरों के खिलाड़ी में भाग लेना मेरे जीवन के सबसे रोमांचक और गहन अनुभवों में से एक रहा है. मैं इन स्टंट को करने में इतनी मशगूल थी, कि सब कुछ भूल जाती थी. बाद में मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि मैं कितनी थक गई थी."एक्ट्रेस ने कहा कि भारत वापस आने के बाद उनको बिस्तर पर अपने मांसपेशियों के खिंचाव का अहसास हुआ था. एक्ट्रेस ने कहा, "मुझे मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द से राहत पाने के लिए फिजियोथेरेपी करवानी पड़ी. यह दर्द मुझे अभी भी महसूस होता है. लेकिन चुनौतियों के बावजूद मैं इस अनुभव को किसी भी चीज के लिए नहीं बदलूंगी. इसने मुझे हिम्मत और मेंटली मजबूती की अहमियत सिखाई."निमृत ने कहा कि वह रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए गए शो में हर पल के लिए आभारी हैं और उम्मीद करती हैं कि उनका सफर दूसरों को अपने डर का सामना करने के लिए प्रेरित करेगा. इस महीने की शुरुआत में, निमृत कौर ने रोहित शेट्टी के साथ अपने रिश्तों के बारे में बात की थी।

कपिल शर्मा शो 2 इस दिन देगा दर्शकों बीच दस्तक, जानिए कहां देख सकते नया एपिसोड

कॉमेडियन कपिल शर्मा ने टीवी के बाद ओटीटी पर अपना राज कायम कर लिया है. द ग्रेट कपिल शर्मा शो के साथ कपिल शर्मा ने नेटफ्लिक्स पर कदम रखा था. इस शो में कपिल के साथ लंबे समय के बाद सुनील ग्रोवर नजर आए थे. पहला शो लोगों को कुछ खास पसंद नहीं आया. कपिल और सुनील की जोड़ी शो को वो टीआरपी नहीं दिला पाई जो कभी टीवी शो को मिला करती थी. पहले सीजन के बाद अब कपिल शर्मा अपने शो का दूसरा सीजन लेकर आ रहे हैं. दूसरे सीजन का पहला एपिसोड किस दिन रिलीज होगा इसकी भी जानकारी कपिल ने सोशल मीडिया पर दे दी है. कपिल शर्मा के शो का पहला सीजन 21 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर आया था. अब इसका दूसरा सीजन आ रहा है. कपिल ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें वो पूरी टीम के साथ मस्ती करते हुए और तारीख के बारे में बात करते नजर आ रहे हैं.रिपोर्ट्स के मुताबिक कपिल शर्मा अपनी टीम के साथ मंगलवार (13 अगस्त) को वेब सीरीज फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स की स्टार कास्ट के साथ नए सीजन की शूटिंग शुरू करने वाले हैं. सोनी टीवी पर लंबे समय तक काम करने के बाद कपिल शर्मा और उनकी टीम इस साल की शुरुआत में नेटफ्लिक्स पर आ गई. शो को फैंस ने उस प्लेटफॉर्म पर भी काफी प्यार दिया. लेकिन कई लोगों को लगा कि इसमें कुछ नयापन नहीं है. इसीलिए कपिल शर्मा शो का दूसरा सीजन ला रहे हैं. अब देखना है कि शो में कुछ नया होता या नहीं लेकिन जो भी हो लोग कपिल के शो का बेसब्री से इंतजार करते हैं. कपिल शर्मा के शो में उनके साथ कृष्णा अभिषेक राजीव ठाकुर कीकू शारदा, सुनील ग्रोवर और अर्चना पूरन सिंह नजर आने वाले हैं. वीडियो में उन्होंने ऑडियन्स से प्रॉमिस किया है कि इस बार लोग हंस–हंसकर लोट–पोट होने वाले हैं. शनिवार अब फनी–वार होने वाला है. कपिल ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा– फन से आपके शनिवार को फनीवार बनाने हम आ रहे हैं 21 फितंबर से. द ग्रेट इंडियन कपिल शो को हर शनिवार फनीवार देखने के लिए तैयार हो जाइए सिर्फ नेटफ्लिक्स पर.कपिल शर्मा के शो के पहले सीजन में दिलजीत दोसांझ, नीतू कपूल, परिणीति चोपड़ा, रणबीर कपूर, विक्की कौशल, सनी कौशल, आमिर खान समेत कई कलाकार स्पेशल गेस्ट बनकर आए थे. जिनके साथ कपिल शर्मा और उनकी पूरी टीम खूब मस्ती करते हुए नजर आई थी।

शाहरुख खान अपनी खास दोस्त दीपिका पादुकोण से मिलने अस्पताल पहुंचे, हफ्तेभर बाद भी एक्ट्रेस को नहीं मिली हॉस्पिटल से छुट्टी, क्यों?

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी को हमेशा से ही दर्शकों का प्यार मिला है। इसके अलावा दोनों अच्छे दोस्त भी हैं। दोनों की अच्छी बॉन्डिंग फिल्मों के साथ साथ रियल लाइफ में भी दिखाई देती हैं। अभिनेता शाहरुख खान ने मुंबई के एचएन रिलायंस अस्पताल में नए माता–पिता दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह से मुलाकात की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभिनेता की कार के अस्पताल में प्रवेश करने और बाहर निकलने के कई वीडियो और तस्वीरें सामने आई। जिसमें बादशाह की झलक देखी जा सकती हैं।

शाहरुख खान ने अस्पताल में दीपिका से मुलाकात की

शाहरुख ने नए माता–पिता को बधाई देने और उनके पहले नवजात शिशु से मिलने के लिए अस्पताल का दौरा किया। वीडियो में, अस्पताल में केवल शाहरुख की कार देखी गई, लेकिन अभिनेता को नहीं देखा गया। दीपिका पादुकोण को शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दीपिका की कई तस्वीरों और वीडियो में उन्हें शनिवार को अस्पताल के लिए निकलते हुए दिखाया गया। दीपिका और रणवीर सिंह रविवार को एक बेटी के माता–पिता बन गए। उन्होंने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के साथ अपने प्रशंसकों के साथ इस खबर की पुष्टि की। अपने बच्चे का स्वागत करने से पहले, दीपिका और रणवीर गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश से आशीर्वाद लेने के लिए सिद्धिविनायक मंदिर गए। इस साल की शुरुआत में फरवरी में अपनी गर्भावस्था की घोषणा करने वाले इस जोड़े ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रशंसकों के साथ अपनी खुशी साझा की है, जिसमें एक शानदार मातृत्व शूट भी शामिल है। सभी को पता है कि रणवीर–दीपिका ने छह साल तक डेटिंग करने के बाद 14 नवंबर, 2018 को इटली के लेक कोमो में शादी की थी। उनकी पहली मुलाकात संजय लीला भंसाली की रोमांटिक ड्रामा फिल्म गोलियों की रासलीला राम–लीला के सेट पर हुई थी और बाद में उन्होंने बाजीराव मस्तानी और पद्मावत में भी अभिनय किया। रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने हाल ही में एक बच्ची का अपने जीवन में स्वागत किया हैं। यह जानकारी सोशल मीडिया पर दोनों ने खुद शेयर की। बच्ची के आगमन के बाद, कई मशहूर हस्तियों, लोकप्रिय हस्तियों और प्रशंसकों ने इस खुशी की खबर का जश्न मनाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। प्रियंका चोपड़ा ने दिल के इमोजी के साथ ष्बधाईष के साथ अपनी खुशी साझा की। अनन्या पांडे ने टिप्पणी की, ष्बेबी गर्ल! बधाई हो,ष जबकि सारा अली खान ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, ष्रणवीर और दीपिका। आपकी बच्ची के लिए बधाई!!! आप दोनों को केवल खुशियाँ और आनंद मिले।

बादशाह ने शेयर किया अपनी मां के साथ मजेदार वीडियो

> सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर बादशाह के १४.९ मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने एक रील वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी मां अरबी की सब्जी पकाते हुए देखी जा रही हैं। इस वीडियो में बादशाह और उनकी मां के बीच एक प्यारी और मजेदार नोकझोंक हो रही है।

रैपर और गीतकार बादशाह ने बुधवार को अपनी मां का एक दिल छू लेने वाला वीडियो शेयर किया जिसमें वह किचन में खाना बना रही हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मां घुटने के दर्द से परेशान हैं, लेकिन ऑपरेशन नहीं करवा रही हैं। बुधवार को शेयर किए गए इस दिल को छू लेने वाले वीडियो में मां और बेटे का अटूट प्यार झलक रहा है। बादशाह ने बताया कि उनकी मां घुटनों के दर्द से पीड़ित हैं, लेकिन ऑपरेशन नहीं करा रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर बादशाह के 14.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने एक रील वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी मां अरबी की सब्जी पकाते हुए देखी जा रही हैं। इस वीडियो में बादशाह और उनकी मां के बीच एक प्यारी और मजेदार नोकझोंक हो रही है। बादशाह वीडियो में कह रहे हैं, क्या बना रही हैं?ष और वह जवाब देती है, अरबी की सब्जी। सैटरडे सैटरडे फेम सिंगर बादशाह ने आगे कहा, आपको अपने घुटने कब ठीक कराने हैं? उनकी मां कहती हैं, श्जब चाहो करवा देनाश। बादशाह ने उन्हें जवाब देते हुए कहा, कल करवा दे फिर? उनकी मां ने कहा ठीक है पक्का। बादशाह ने वीडियो के कैप्शन में लिखा मम्मी बहुत चालाक हैं, काफी टाइम से घुटनों में दर्द रहता है, लेकिन ऑपरेशन नहीं कराना है। अब कैमरे पर कह रही हैं कभी भी करा दो। उन्होंने फैंस से आगे कहा, किस–किसको अरबी अच्छी लगती है?" अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने वीडियो पर रिएक्ट करते हुए लिखा अरबी गैंग डब्लूवाईए। वहीं गायक 'बी प्राक' ने वीडियो पर रिएक्ट करते हुए हार्ट इमोजी लगाई। बादशाह के म्यूजिक में भारतीय पॉप, हिप–हॉप, रैप और सिंथवेव शामिल हैं। रैपर और संगीत निर्माता यो यो हनी सिंह के साथ काम करने से पहले, उन्होंने कूल इक्वल मंच के तहत एक अंग्रेजी रैपर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। बादशाह को हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया, खूबसूरत, बजरंगी भाईजान, सनम रे, कपूर एंड संस, सुल्तान, बार बार देखो, ऐ दिल है मुश्किलश, वीरे दी वेडिंग, लवयात्री, खानदानी शफाखाना, दबंग 3, स्ट्रीट डांसर 3डी, जवान, क्रू और इश्क विश्क रिबाउंड जैसी फिल्मों में उनके गानों के लिए जाना जाता है।

छत्तीसगढ़ी दही चना दाल तड़का रेसिपी करें ट्राई, आप भी नहीं भूल पाएंगे स्वाद

अक्सर हमारे घरों में चना दाल तड़का बनाई जाती है। लेकिन क्या आपने कभी चना दाल में दही के स्वाद का तड़का लगाकर खाया है। अगर आपका जवाब नहीं है, तो आज हम आपके साथ छत्तीसगढ़ी दही चना दाल तड़का की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। इस रेसिपी को बनाना बहुत आसान है और इसका स्वाद आप भूलकर भी नहीं भूल पाएंगे। हालांकि चना दाल में तड़का तो सभी लगाते हैं। लेकिन चना दाल में दही का इस्तेमाल कोई नहीं करता है। वहीं छत्तीसगढ़ में कई तरह की सब्जियों के इस्तेमाल से कढ़ी बनाकर तैयार की जाती है। इसी में से एक चना दाल भी है। वैसे तो चना दाल तड़का बेहद स्वादिष्ट रेसिपी है। वहीं यह बहुत कम समय में बनकर तैयार हो जाती है। तो आइए जानते हैं छत्तीसगढ़ी दही चना दाल तड़का रेसिपी के बारे में...

सामग्री

जीरा और सरसों– 1 छोटा चम्मच
तेल– 2 चम्मच
करी पत्ता– 5–7
हल्दी
भीगा हुआ चना दाल– एक कटोरी
लहसुन– 2–3 बारीक कूटा हुआ
प्याज कटा हुआ– 1
सूखा आम या इमली
दही– 1 कटोरी

रेसिपी

सबसे पहले भीगी हुई चना दाल को कुकर में आधा कटोरी पानी के साथ उबाल लें। फिर एक कड़ाही में तेल गर्म करें और फिर उसमें सरसों, जीरा, करी पत्ता और लहसुन–प्याज डालकर ब्राउन होने तक भून लें। इसके बाद कड़ाही में उबली हुई चना दाल और दही डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब स्वादानुसार नमक डालें और फिर हल्दी, आम या इमली और लाल मिर्च पाउडर डालकर पकने दें। उबाल आने के बाद गैस को बंद कर दें। इस आसान तरीके से छत्तीसगढ़ी स्टाइल दही वाली चना दाल तड़का तैयार है।

ताजी रोटी ही नहीं बल्कि बासी रोटी भी है गुणों का खजाना, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

हर भारतीय घर में रोटी और चावल मेन मील में जरूर शामिल होते हैं। इंडियन थाली बिना रोटी और चावल के पूरी नहीं होती है। फिर रोटी चाहे गेंहू के आटे की हो या मल्टीग्रेन आटे की। वैसे तो हम सभी के घरों में गर्मागर्म फूली हुई रोटी खाना पसंद किया जाता है। लेकिन कई बार रोटियां बच जाती हैं, जिनकी अन्य कई डिशेज बनाई जाती हैं। वहीं अधिकतर लोगों के मन में यह सवाल आता है कि बासी रोटी हमारी सेहत को तो नुकसान नहीं पहुंचाती है। या फिर बासी रोटी खाना सेहत के लिए अच्छा होता है। बता दें कि बहुत लोग बासी रोटी का सेवन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद बताते हैं। ऐसे में अगर आपके मन में भी यही सवाल है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि ताजी या बासी रोटी में सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद क्या है।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एक्सपर्ट की मानें तो ताजी रोटी की तुलना में बासी रोटी हमारी सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होती है। क्योंकि बासी रोटी में गुड बैक्टीरिया अधिक होते हैं। जो हमारी गट हेल्थ के लिए फायदेमंद बन जाती है। बासी रोटी गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने का काम करती है और इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है। हालांकि बासी रोटी डाइजेशन के लिए काफी खराब मानी जाती है, लेकिन इसका सेवन करना डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए अच्छा होता है। बासी रोटी खाने से पहले इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि यह ज्यादा बासी न हो। अगर आप 1–2 दिन पुरानी बासी रोटी खाते हैं, तो इससे आपके स्वास्थ्य के नुकसान हो सकता है। एक्सपर्ट के अनुसार, 10–12 घंटे पहले बनी रोटी का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि इस रोटी में रेजिस्टेंस स्टार्च बढ़ जाता है और यह हमारी सेहत के लिए अच्छा होता है। डायबिटीज होने पर रेजिस्टेंस स्टार्च लाभकारी होता है। ऐसे में ब्लड शुगर लेवल स्पाइक नहीं होता है। इसके साथ ही बासी रोटी में विटामिन बी 12 की मात्रा अधिक होती है।

क्या आपकी दिल की बीमारी खुजली का कारण बन सकती है?

आज हम एक बहुत ही महत्वपूर्ण और दिलचस्प विषय पर चर्चा करेंगे। क्या हार्ट की समस्याए आपके शरीर में खुजली का कारण बन सकती हैं? आपने देखा होगा कि हार्ट की बीमारिया न केवल दिल को प्रभावित करती हैं, बल्कि त्वचा पर भी इसका असर हो सकता है। अचानक त्वचा पर खुजली या अन्य समस्याएँ क्यों बढ़ जाती हैं? क्या इसका दिल से कोई संबंध है? इस वीडियो में हम इसी पर चर्चा करेंगे। हम आपको बताएंगे कि हार्ट की समस्याए त्वचा की खुजली का कारण कैसे बन सकती हैं और इससे राहत पाने के कुछ आसान और प्रभावी उपाय भी साझा करेंगे।

हार्ट की समस्याओं और त्वचा की खुजली के बीच संबंध
।

जब हार्ट की समस्याएँ होती हैं, तो इससे शरीर में कई अन्य समस्याएँ भी उत्पन्न हो सकती हैं। हार्ट के मरीजों को अक्सर निम्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हार्ट के मरीजों को कई बार त्वचा से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार हार्ट से जुड़ी बीमारियां होने पर हाथ–पैर में फ्लूड का जमाव हो जाता है, जिस कारण प्रभावित हिस्से पर सूजन या लालिमा आ जाती है। ऐसी स्थिति में खुजली भी हो सकती है।

फ्लूड का जमाव

हार्ट की बीमारियों के कारण अक्सर हाथ और पैरों में फ्लूड का जमाव हो सकता है। यह फ्लूड जमा होने के कारण सूजन, लालिमा और त्वचा में खिंचाव जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इन समस्याओं के साथ–साथ खुजली भी महसूस हो सकती है। जब फ्लूड शरीर के विभिन्न हिस्सों में जमा हो जाता है, तो यह त्वचा को प्रभावित कर सकता है और खुजली की समस्या को जन्म दे सकता है। यह स्थिति हार्ट से जुड़ी समस्याओं की एक आम विशेषता हो सकती है, जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल का जमाव

हार्ट की बीमारियों से प्रभावित लोगों में कोलेस्ट्रॉल का जमाव एक सामान्य समस्या हो सकती है। यह कोलेस्ट्रॉल त्वचा के नीचे भी जमा हो सकता है, जिससे जलन और खुजली जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। जब शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है, तो यह त्वचा की विभिन्न परतों में जमा हो सकता है, जिससे त्वचा में असहजता और खुजली का अनुभव हो सकता है। इस स्थिति का सही समय पर इलाज न होने पर यह समस्या बढ़ सकती है, और त्वचा के स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकती है।

ट्राइग्लिसराइड्स का प्रभाव

खून में जमने वाले ट्राइग्लिसराइड्स हार्ट की बीमारियों से प्रभावित लोगों के लिए एक गंभीर समस्या बन सकते हैं। जब ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ जाता है, तो यह त्वचा पर छोटे–छोटे छाले या दाने उत्पन्न कर सकता है। ये छाले या दाने त्वचा में जलन और खुजली का कारण बन सकते हैं, जिससे व्यक्ति को असहजता का सामना करना पड़ता है। ट्राइग्लिसराइड्स का उचित कंट्रोल न होने पर यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है, इसलिए इसे कंट्रोल करने के लिए उचित चिकित्सा सलाह और जीवनशैली में बदलाव की आवश्यकता होती है।

हार्ट के मरीजों में त्वचा की अन्य समस्याए

हार्ट के मरीजों की उंगलियों में छाले बन सकते हैं, जो सामान्य छालों से काफी अलग होते हैं।

कुछ मरीजों के होठ फट सकते हैं और उनमें सूजन भी आ सकती है।

कुछ मामलों में, मरीजों के पैरों की उंगलियों और अंगूठों में छोटी–छोटी गांठें भी बन सकती हैं।

खुजली से राहत पाने के तरीके

यदि आप हार्ट के मरीज हैं और खुजली की समस्या से जूझ रहे हैं। त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए नियमित रूप से मॉइश्चुराइजर का उपयोग करें। ओटमील बाथ लेने से त्वचा की खुजली में आराम मिल सकता है। प्रभावित हिस्से पर हाथ लगाने या खुजली करने से बचें, ताकि स्थिति और खराब न हो। कोल्ड कंप्रेशन थेरेपी का इस्तेमाल करने से भी खुजली में राहत मिल सकती है। हार्ट की बीमारियों के साथ त्वचा की समस्याए भी जुड़ी हो सकती हैं, जिनमें खुजली एक सामान्य समस्या है। इन समस्याओं से राहत पाने के लिए उचित देखभाल और उपायों को अपनाना जरूरी है। यदि त्वचा की समस्याए गंभीर हो रही हैं या लगातार बनी रहती हैं, तो अपने डॉक्टर से सलाह लें।

ब्राइडल ज्वेलरी पसंद करते समय न करें ये गलतियां, नहीं तो खूबसूरती में लग जाएगा ग्रहण

शादी में सिर्फ आउटफिट ही नहीं बल्कि ज्वेलरी का भी अहम रोल होता है। ज्लेलरी को लेकर एक छोटी सी गलती भी दुल्हन की खूबसूरती में ग्रहण लगा सकती है। सही ज्वेलरी का चुनाव और इसे सही तरीके से कैरी करना बहुत जरूरी होता है ताकि आपकी खूबसूरती और भी निखर सके। यहाँ कुछ आम गलतियां दी गई हैं जिन्हें दुल्हनें ज्वेलरी पहनते समय बिलकुल न करें

ज्यादा भारी ज्वेलरी पहनने से बचें

कई बार दुल्हनें बहुत भारी ज्वेलरी कैरी कर लेती हैं, जिससे उनका लुक बहुत ज्यादा भरा हुआ और असहज दिखाई देने लगता है। ज्वेलरी को अपने लहंगे या साड़ी के अनुसार बैलेंस करें। अगर आपकी वेडिंग आउटफिट में बहुत भारी कढ़ाई या एम्ब्रॉयडरी है, तो हल्की और स्टाइलिश ज्वेलरी चुनें ताकि दोनों में संतुलन बना रहे।

ज्वेलरी का आउटफिट से मैच न होना

कुछ दुल्हनें ऐसी ज्वेलरी का चुनाव कर लेती हैं जो उनके वेडिंग आउटफिट से मेल नहीं खाती। इससे लुक डिस्कनेक्टेड लगता है। ज्वेलरी का रंग और स्टाइल आपके आउटफिट के साथ मेल खाए। गोल्डन, सिल्वर या डायमंड ज्वेलरी चुनते समय ध्यान दें कि वह आपके लहंगे या साड़ी के साथ पूरी तरह से कम्प्लिमेंट करे।

ज्वेलरी की ओवरलेयरिंग

कई बार दुल्हनें बहुत सारे नेकलेस, चूड़ियां, अंगूठियां और अन्य ज्वेलरी पहन लेती हैं, जिससे लुक काफी भरा हुआ और जटिल लगता है।ज्वेलरी का चयन साधारण और बैलेंस्ड रखें। एक या दो प्रमुख पीस जैसे कि एक सुंदर नेकलेस और ईयररिंग्स पर ध्यान दें, और बाकी एक्सेसरीज को हल्का रखें।

गलत ईयररिंग्स का चुनाव

कई बार दुल्हनें ऐसी ईयररिंग्स पहन लेती हैं जो उनके चेहरे के आकार और हेयरस्टाइल से मेल नहीं खातीं। ऐसे में दुल्हन को अपने चेहरे के आकार के अनुसार ही ईयररिंग्स पहनने चाहिए। लंबे चेहरे के लिए चौड़े झुमके या चांदबाली बेहतर लगते हैं, जबकि गोल चेहरे के लिए लंबे और पतले झुमके बेहतर होते हैं।

ट्रेंड्स के चक्कर में खुद का स्टाइल भूलना

अक्सर दुल्हनें लेटेस्ट ट्रेंड्स को फॉलो करने में अपनी पर्सनल स्टाइल को भूल जाती हैं, जिससे वे खुद को असहज महसूस करती हैं। ट्रेंड्स के पीछे न भागें, बल्कि ऐसी ज्वेलरी चुनें जो आपकी पर्सनैलिटी और स्टाइल के अनुसार हो। कुछ ऐसा पहनें जिसमें आप सहज और खूबसूरत महसूस करें।

ज्वेलरी का ओवरशाइन

कुछ दुल्हनें बहुत ज्यादा चमकदार ज्वेलरी पहन लेती हैं, जिससे लुक काफी चमकदार और आंखों को चुभने वाला लगता है। अगर आपका लहंगा पहले से ही चमकीला है, तो ज्वेलरी को थोड़ा म्यूट या सटल रखें ताकि आपका लुक भरा हुआ न लगे। इसका मतलब यह नहीं है कि आप सिंपल ज्वेलरी चुनें, बल्कि ज्वेलरी में एक क्लासी और एलिगेंट लुक रखें।

गलत मांग टीका या माथापट्टी

माथे पर लगाया गया गलत मांग टीका या माथापट्टी चेहरे के अनुपात को बिगाड़ सकता है। अपने माथे के आकार के अनुसार मांग टीका या माथापट्टी का चुनाव करें। अगर आपका माथा चौड़ा है तो चौड़ी माथापट्टी सही होगी, वहीं अगर माथा छोटा है तो हल्की मांगटीका चुनें।

आराम को नजरअंदाज करना

कुछ दुल्हनें ज्वेलरी की सुंदरता पर ध्यान देती हैं लेकिन आराम को नजरअंदाज कर देती हैं। इससे शादी के दिन उन्हें असहजता महसूस होती है। ऐसी ज्वेलरी चुनें जिसे आप पूरे दिन आराम से पहन सकें। बहुत भारी और असुविधाजनक ज्वेलरी से बचें, क्योंकि इससे आपका ध्यान भटक सकता है।

कुर्ती खरीदते समय इन बातों का रखें खास ख्याल, दिखेंगी स्टाइलिश और हाइट भी लगेगी ज्यादा

लड़की हो या महिला कुर्तियां पहनना लगभग सभी को पसंद होता है। घर से लेकर ऑफिस तक में महिलाएं कुर्तियां पहनना पसंद करती हैं। कुर्ती आरामदायक होती है। साथ ही आप इसको प्लाजो, जींस या लैगिंग्स के साथ भी कैरी कर सकती हैं। हर किसी के साथ कुर्ती का अलग लुक आता है। ऑनलाइन शॉपिंग बेवसाइट से लेकर मार्केट तक में आपको हर रंग, पैटर्न और प्रिंट की कुर्तियां मिल जाएंगी। हालांकि अगर आप कुर्ती पहनकर लंबी लगना चाहती हैं और साथ ही परफेक्ट लुक पाना चाहती हैं। तो आपको कुर्तियां खरीदने के दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासतौर पर यदि आपकी हाइट कम है, तो आपको कुर्ती खरीदने के दौरान कुछ बातों को जहन में रखना चाहिए। क्योंकि सही कुर्ती पहनने पर ही आपकी हाइट ज्यादा दिखेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कुर्ती खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

लंबाई

कुर्ती खरीदने के दौरान इसकी लंबाई का खास ख्याल रखना चाहिए। लंबी लेंथ वाली कुर्ती में हाइट ज्यादा नहीं लगती है। जबकि सिर्फ घुटनों तक या उससे ऊपर तक आने वाली कुर्ती आपको खूबसूरत दिखाने में मदद करती है। साथ ही इस तरह की कुर्ती में आपकी हाइट भी ज्यादा लगेगी।

फिटिंग

अगर आप ढीली–ढाली कुर्तियां पहनती हैं, तो आपकी हाइट कम लगेगी। वहीं अगर आप फिटिंग वाली कुर्ती वियर करती हैं, तो यह आपके फिगर को परफेक्ट दिखाता है और आप लंबी नजर आएंगी।

स्ट्राइप्स

अगर आपकी हाइट कम है, तो आपको हमेशा वर्टिकल स्ट्राइप्स वाली कुर्ती पहननी चाहिए। बता दें कि वर्टिकल लाइनें आपकी हाइट को बढ़ाकर दिखाता है। वहीं अगर आप हॉरिजॉन्टल स्ट्राइप्स वाली कुर्ती पहनती हैं, तो इसमें आपकी हाइट कम लगेगी।

स्लीव्स

अगर आप भी लंबी दिखना चाहती हैं, तो हमेशा शॉर्ट स्लीव्स या 3/4जी स्लीव्स वाली कुर्ती पहननी चाहिए। क्योंकि फुल स्लीव्स आपकी हाइट को और भी कम दिखा सकती है।

रंग

कुर्ती खरीदने के दौरान इसके रंग का खास ध्यान रखना चाहिए। हमेशा मोनोक्रोमैटिक या डार्क रंगों वाली कुर्ती चुनें। यह आपके शरीर को स्लिम और लंबा दिखाने में मदद करती है।

प्रिंट्स

अगर आप बड़े प्रिंट्स वाली कुर्तियां खरीद रही हैं, तो इसमें आपकी हाइट कम लग सकती है। इसलिए हमेशा छोटे प्रिंट्स वाली कुर्ती खरीदें क्योंकि इसमें आपकी हाइट ज्यादा लगेगी।

संक्षिप्त

टीसीएस इंडिया के कर्मचारियों को टैक्स नोटिस, कंपनी ने भुगतान से पहले इंतजार करने को कहा : रिपोर्ट

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के कई कर्मचारियों को टीडीएस दावों में कथित तौर पर आ रही विसंगतियों को लेकर आयकर विभाग से कर नोटिस मिले हैं। टीसीएस कंपनी ने कर्मचारियों से कहा है कि वो इनकम टैक्स विभाग द्वारा मांगी गई राशि का भुगतान एक बार में ना करे। मनीकंट्रोल से मिली जानकारी के मुताबिक सूत्रों का कहना है कि मांगी गई राशि का बुगतान करने से पहले अगले निर्देशों का कर्मचारियों को इंतजार करना होगा। बता दें कि जिस राशि का भुगतान कर्मचारियों को करना है वो 50,000 रुपये से लेकर 1.5 लाख रुपये तक है। बता दें कि टीसीएस में जिन कर्मचारियों को इनकम टैक्स विभाग का नोटिस प्राप्त हुआ है, उन्हें समय रहते सुधार सूचना दी जाएगी। उन्हें कोई मांग राशि का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। रिपोर्ट में एक इंटरनल ईमेल का भी जिक्र किया गया है। इसके अनुसार कंपनी ने अपने कर्मचारियों से कहा, एक बार कर अधिकारी सुधार संबंधी सूचनाएं भेज दें तो विसंगतियां दूर हो जाएंगी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह भी दावा किया गया है कि इस बात की संभावना है कि अधिकारियों ने दाखिल रिटर्न को प्रोसेस करने में गलती की हो। इसमें कहा गया है कि मूल्यांकन अधिकारी के पास नोटिस में संशोधन करने का अधिकार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मेल में कंपनी ने कहा है कि कर अधिकारी रिटर्न की पुनः प्रक्रिया करेंगे जिसके बाद टीडीएस विभाग द्वारा जारी फॉर्म 26एएस और टीसीएस द्वारा जारी फॉर्म 16ए के साथ कॉर्डिनेट हो जाएगा।

फेड के ब्याज दरों में कटौती करने से स्वास्थ्य व विनिर्माण क्षेत्र रहेंगे फायदे में, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अनुमानित दर कटौती की तारीख (18 सितंबर) जैसे–जैसे नजदीक आ रही है, निवेशक विभिन्न क्षेत्रों पर इसके संभावित प्रभावों का आकलन कर रहे हैं। मोतीलाल ओसवाल की एक रिपोर्ट के अनुसार, फेड के ब्याज दरों को कम करने के फैसले से स्वास्थ्य सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों को सबसे अधिक लाभ होने की उम्मीद है। यह रिपोर्ट आने वाले महीनों में मजबूत विकास संभावनाओं के संकेत देता है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि अगले 12 से 18 महीनों में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र होगा। दर कटौती के प्रति काफी हद तक उदासीन होने के बावजूद, इनसोर्सिंग के न्यूनतम खतरे के कारण स्वास्थ्य सेवा के फलने–फूलने की उम्मीद है। रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि स्वास्थ्य सेवा के लचीलेपन, जैव प्रौद्योगिकी, नैदानिक अनुसंधान और डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों में नवाचारों की मांग के कारण इन क्षेत्रों पर दर कटौती का सकारात्मक असर पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, अगले 12–18 महीनों में स्वास्थ्य सेवा सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र होगा। यह क्षेत्र दर कटौती के अनुकूल परिस्थितियों के प्रति काफी हद तक उदासीन है। एक अन्य क्षेत्र, विनिर्माण, भी उच्च विकास क्षमता के साथ खड़ा है, विशेष रूप से तकनीकी प्रगति के कारण जो दर कटौती चक्र के दौरान इसे अपना सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम ब्याज दरों से प्रौद्योगिकी में निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे उद्योग की रिकवरी में और तेजी आएगी। हालांकि इस क्षेत्र को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि यूरोप में सीमित आईटी सेवाओं की पैठ, रिपोर्ट में जनरेटिव एआई (जेनएआई), डिजिटल ट्विन्स, प्वज और कनेक्टेड फैक्ट्रियों जैसी तकनीकों में अवसरों की पहचान की गई है। दूसरी ओर, खुदरा क्षेत्र को दर कटौती से लाभ होने की उम्मीद है क्योंकि ग्राहक बाजारों में बढ़ी हुई खपत, विशेष रूप से अमेरिका में, विकास को बढ़ावा दे सकता है।

रिकॉर्ड हाई स्तर पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स ने 83 हजार के आंकड़ो को किया पार, Nifty का नया कीर्तिमा

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को नई ऊंचाई पर खुले, दोनों सूचकांकों में तेजी जारी रही। निफ्टी 50 सूचकांक अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर के करीब खुला, जबकि सेंसेक्स पहली बार 83,000 अंक से ऊपर खुला। निफ्टी 50 सूचकांक 41.55 अंक या 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,430.45 पर खुला, जबकि बीएसई सेंसेक्स 128.84 अंक या 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,091.55 अंक पर खुला। फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती से पहले वैश्विक बाजारों में तेजी आ रही है और भारतीय बाजार लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, जो निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। ष्ध्यान पूरी तरह से फेड की कार्रवाई और 18 सितंबर को फेड की बात पर है। लेकिन 12 सितंबर को भारतीय बाजारों की कार्रवाई इक्विटी बाजारों में प्रवाह के शास्त्रीय प्रवाह पैटर्न की ओर इशारा करती है क्योंकि फेड दर कटौती के पीछे अमेरिकी डॉलर कमजोर हो रहा है। इसकी प्रत्याशा में बाजार तेजी से आगे बढ़ेंगे। भारत में 18 सितंबर की रात को थ्व्डह की घोषणा की अगुवाई में अगले सप्ताह की शुरुआत में कुछ मामूली जोखिम संभव है। बैंकिंग और बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने कहा कि एफआईआई ने हमारे ष्सतर्क आशावादष् से ष्सतर्कताष् को काट दिया है और हमें उत्साही ष्आशावादीष् बना दिया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के क्षेत्रीय सूचकांकों में निफ्टी मीडिया में बढ़त रही, इसके बाद निफ्टी मेटल और निफ्टी पीएसयू बैंक का स्थान रहा। शुक्रवार को एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिला, जापान के निक्केई सूचकांक में 0.89 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि दक्षिण कोरिया के कोस्पी में भी कोई खास बदलाव नहीं हुआ। इस बीच, हांगकांग के शेयर सूचकांक में 1.16 प्रतिशत की तेजी आई, और ताइवान के ताइवान वेटेड में भी मामूली बढ़त दर्ज की गई, जो इस रिपोर्ट को दाखिल करने के समय 0.14 प्रतिशत थी। अमेरिकी बाजारों में गुरुवार को लगातार चौथे सत्र में बढ़त दर्ज की गई, जिसमें एसएंडपी सूचकांक में 0.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि नैस्डैक में समापन घंटी तक 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

पीयूष चावला ने बताया रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी में फर्क, जानें क्या कहा ?

पीयूष चावला ने रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी में अंतर के बारे में बातचीत की। पीयूष चावला इन दोनों खिलाड़ियों की कप्तानी में मुंबई के लिए खेल चुके हैं। मुंबई ने आईपीएल 2024 में कप्तानी में बड़ा बदलाव किया था और रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को टीम की कप्तानी सौंपी गई थी।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले लेग स्पिनर पीयूष चावला ने रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी में अंतर के बारे में बातचीत की। पीयूष चावला इन दोनों खिलाड़ियों की कप्तानी में मुंबई के लिए खेल चुके हैं। मुंबई ने आईपीएल 2024 में कप्तानी में बड़ा बदलाव किया था और रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। हार्दिक की कप्तानी में मुंबई का प्रदर्शन खराब रहा था और ये टीम 10वें नंबर पर रही थी। पीयूष चावला ने शुभंकर मिश्रा के यूट्यूब चौनल रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या की कप्तानी के अंतर के बारे में बात करते हुए बताया कि हर किसी की कप्तानी करने की अपनी शैली होती है। पीयूष चावला ने आईपीएल 2024 के अलग–अलग मैचों का उदाहरण देते हुए कहा कि इस सीजन में हार्दिक की कप्तानी में कोई कमी नहीं थी, लेकिन उन्होंने अच्छी क्रिकेट नहीं खेली। दोनों की कप्तानी में क्या फर्क है इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि अंतर... मैं ऐसा नहीं कह सकता। हर किसी के सोचने का अपना तरीका होता है, हार्दिक का तरीका अलग है। हार्दिक वही कप्तानी हैं जिनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस विनर बनी थी और उप विजेता रही थी, तो ऐसा नहीं है। पीयूष चावला ने आगे कहा कि टी20 में बात गति की होती है और इसमें चीजों को चुनना साथ ही चीजों का क्लिक होना शामिल है। अगर हम देखें तो केकेआर चौंपियन बन गया, फाइनल में हैदराबाद के साथ उनका मैच था और उस मैच में कुछ भी उनके पक्ष में नहीं जाना चाहिए था। क्लासेन ने हर्षित राणा के खिलाफ बढ़त हासिल की, लेकिन आउट हो जाए। अगर वो मैच हार जाते तो चीजें बदल जाती।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने रचा इतिहास, सोशल मीडिया पर थ्वससवूमते हुए एक अरब

अपने करियर की शुरुआत से ही क्रिस्टियानो रोनाल्डो खेल के मैदान के अंदर और बाहर रिकॉर्ड तोड़ते रहे है। पुर्तगाल के इस स्टार प्लेयर की एक बार फिर से चर्चा हो रही है क्योंकि उन्होंने एक धांसू रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक बार फिर से इतिहास रच दिया है। सोशल मीडिया के चौनलों पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के एक अरब फॉलोअर्स हो गए है। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वो पहले व्यक्ति है। रोनाल्डो इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले व्यक्ति हैं और हाल ही में उन्होंने अपना यूट्यूब चौनल 'यूआर. क्रिस्टियानो' शुरू किया है। चौनल ने एक सप्ताह के अंदर 50 मिलियन फोलोअर्स बनाए है। चौनल को एक मिलियन फोलोअर्स का आंकड़ा छूने में केवल 90 मिनट लगे। अल नस्सर स्टार ने सोशल मीडिया पर इस खबर की घोषणा की। एक्स पर उन्होंने लिखा, हमने इतिहास रच दिया है – 1 बिलियन फॉलोअर्स! यह सिर्फ़ एक संख्या नहीं है – यह खेल और उससे परे हमारे साझा जुनून, प्रेरणा और प्यार का प्रमाण है।'' उन्होंने कहा कि सड़कों से लेकर दुनिया के सबसे बड़े मंचों तक, मैंने हमेशा अपने परिवार और आपके लिए खेला है, और अब हममें से 1 अरब लोग एक साथ खड़े हैं। ष्आप हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं, सभी उतार–चढ़ावों के दौरान भी साथ रहे है। यह यात्रा हमारी यात्रा है, और साथ मिलकर हमने दिखाया है कि हम जो हासिल कर सकते हैं उसकी कोई सीमा नहीं है। मुझ पर विश्वास करने, अपना समर्थन देने और मेरे जीवन का हिस्सा बनने के लिए आपका धन्यवाद। अभी सबसे अच्छा आना बाकी है, और हम आगे बढ़ते रहेंगे, जीतते रहेंगे और साथ मिलकर इतिहास बनाते रहेंगे। रोनाल्डो हाल ही में रियो फर्डिनेंड के पॉडकास्ट पर दिखाई दिए थे, जहाँ उन्होंने खुलासा किया कि वे क्लब को उसके एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा चलाए जा रहे तरीके से खुश हैं। उन्होंने मैनेजर एरिक टेन हैग को भी कुछ सलाह दी, जिसमें उन्होंने पूर्व यूनाइटेड टीम के साथी रूड वैन निस्टेलरॉय का सही तरह से साथ लेने के लिए कहा है। वहीं डचमैन को सहायक कोच के रूप में नियुक्त किया। सोशल मीडिया पर यह रिकॉर्ड रोनाल्डो द्वारा एक और रिकॉर्ड बनाने के ठीक बाद आया है। हाल ही में क्रिस्टियानो रोनाल्डो 900 करियर गोल करने वाले पहले फुटबॉल खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ पुर्तगाल के नेशंस लीग मुकाबले में विजयी गोल करके यह उपलब्धि भी हासिल की।

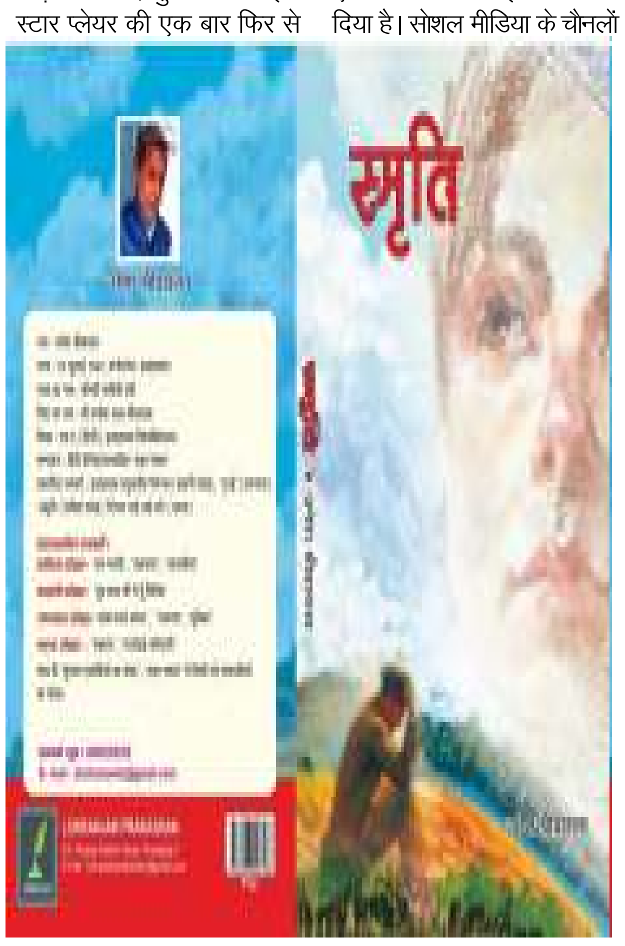

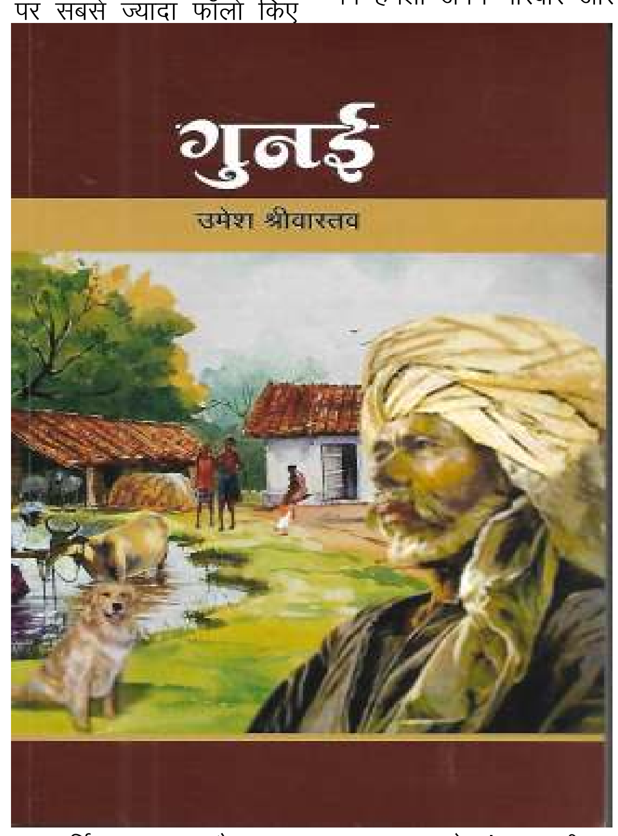

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

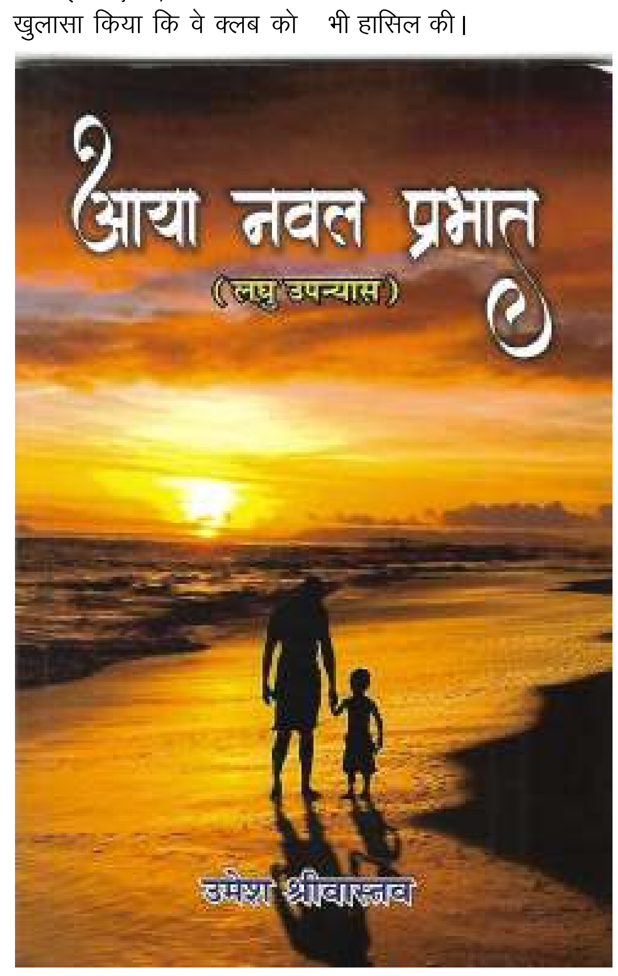

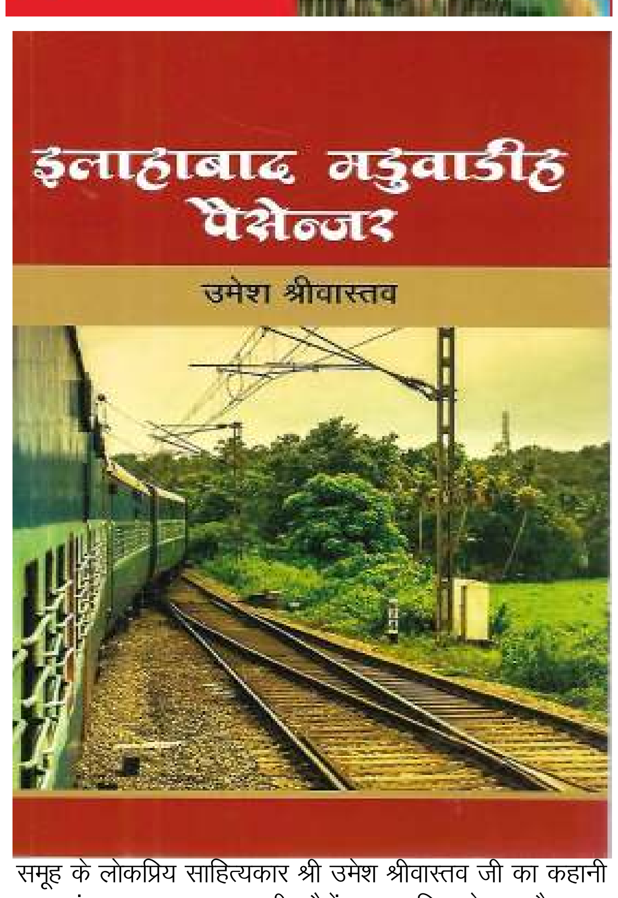

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

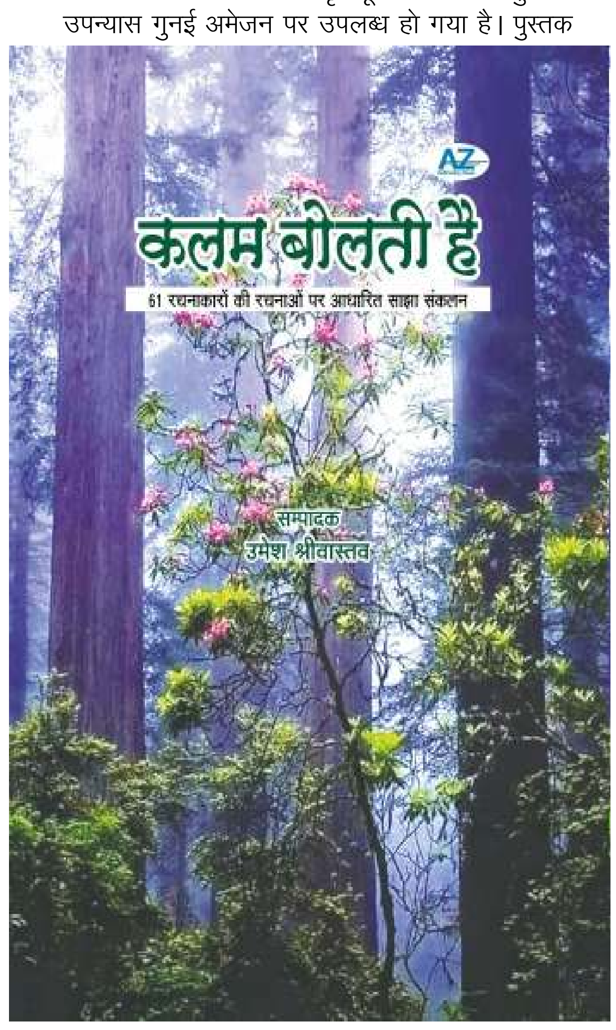

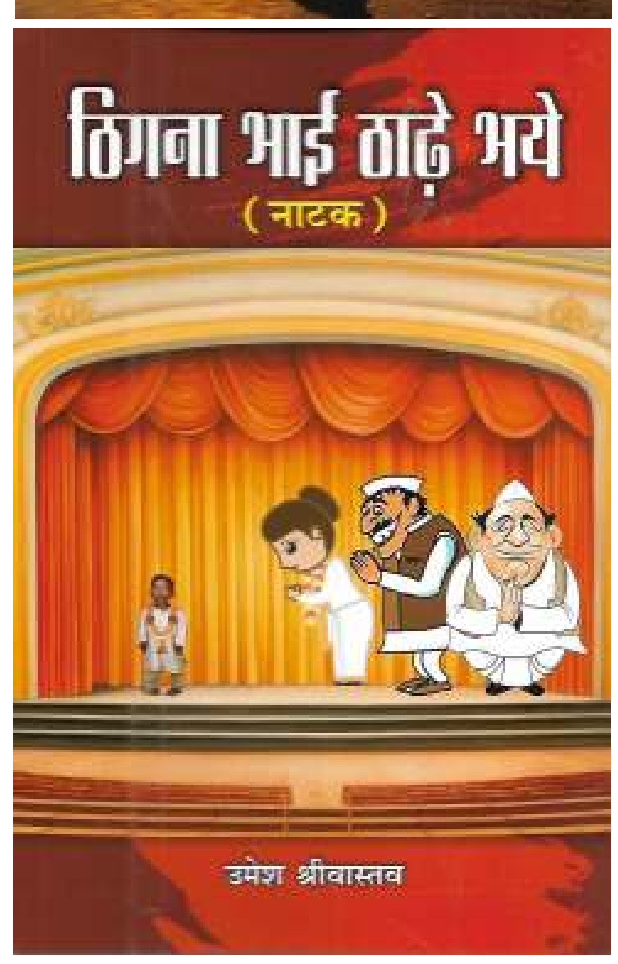

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

वियतनाम में चक्रवात 'यागी' से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 233 हुई

वियतनाम में चक्रवात यागी के कारण आई बाढ़ तथा भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों से और शव बरामद होने के बाद मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 233 हो गई। देश की सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। वियतनाम के सरकारी प्रसारक 'वीटीवी' ने बताया कि उत्तरी लाओ काई प्रांत में

मंगलवार को पहाड़ से बहते बाढ़ के पानी से लैंग नू गांव तबाह हो गया था और यहां रह रहे कई लोग बह गए थे, जिसके बाद बचवाकर्मियों ने यहां से 48 शव बरामद किए। वियतनाम में अब भी 103 लोग लापता हैं तथा 800 से अधिक घायल हुए हैं। तूफान 'यागी' दशकों में वियतनाम में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान है। यह शनिवार को 149 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ़्तार से तट से टकराया था।

बाइडन अगले सप्ताहांत करेंगे क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अगले सप्ताह अपने डेलावेयर निवास पर क्वाड नेताओं के चौथे शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) में चार देश – ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। भारत इस साल क्वाड की मेजबानी करने वाला था लेकिन अब

वह अगले साल शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। क्वाड नेतृत्व शिखर सम्मेलन बाइडन की पहल है और निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति की विदेश नीति से जुड़ी प्रमुख परंपराओं में से एक है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन–पियरे ने कहा, ''राष्ट्रपति जोसेफ आर. बाइडन जूनियर शनिवार, 21 सितंबर को डेलावेयर के विलमिंगटन में क्वाड नेताओं के चौथे शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। राष्ट्रपति ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'' उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति बाइडन पहली बार विलमिंगटन में विदेशी नेताओं की मेजबानी करेंगे – यह क्वाड नेताओं में से प्रत्येक के साथ उनके गहरे व्यक्तिगत संबंधों और क्वाड के हमारे सभी देशों के लिए महत्व को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में क्वाड विदेश मंत्रियों की आठ बार मुलाकात हुई है और क्वाड देशों की सरकारों ने सभी स्तरों पर मुलाकात और समन्वय करना जारी रखा है।

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में भूकंप के झटके महसूस किए गए

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में बृहस्पतिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने मालिबू से सात किलोमीटर उत्तर में केंद्रित 4.7 तीव्रता के भूकंप की जानकारी दी। यूएसजीएस ने कहा कि भूकंप का केंद्र जमीन से 11 किलीमीटर नीचे था। ऑरेंज काउंटी में 72 किलोमीटर दूर तक झटके महसूस किए गए। कैलिफोर्निया के 'गवर्नर ऑफिस ऑफ इमरजेंसी सर्विसेज' ने बताया कि वह स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसी भी तरह के नुकसान का पता लगाया जा रहा है। इस साल इस क्षेत्र में कई भूकंप आए हैं। अगस्त में लॉस एंजिलिस क्षेत्र से लेकर सैन डिएगो तक 4.4 तीव्रता के भूकंप महसूस किए गए थे।

जयशंकर ने डब्ल्यूएचओ प्रमुख से मुलाकात की, वैश्विक स्वास्थ्य पहल में भारत की भूमिका पर चर्चा की

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रॉस अद्योनम गेब्रेयेसस से मुलाकात की और पारंपरिक चिकित्सा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल के क्षेत्रों सहित वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों के साथ भारत के सहयोग पर चर्चा की। जयशंकर तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में जर्मनी से यहां पहुंचे। अपनी यात्रा के

दौरान वह सऊदी अरब भी गए। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए पोस्ट में कहा, ''आज दोपहर विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रॉस से मिलकर बहुत खुशी हुई। पारंपरिक चिकित्सा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सहित डब्ल्यूएचओ में हमारे सहयोग पर चर्चा की।'' एक अन्य पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क से मुलाकात की और वैश्विक मानवाधिकार हालात और चुनौतियों का बेहतर समाधान कैसे खोजा जाए, इस पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया।

मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी का फूटा गुस्सा, टेलर स्विफ्ट को बच्चा देने के बयान पर पिता को बताया महिला विरोधी

वॉशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क आए दिन विवादों में घिरे रहते हैं। अब पॉप गायिका टेलर स्विफ्ट को बच्चा देने वाला बयान देना उनपर भारी पड़ता नजर आ रहा है। उनकी खुद की ट्रांसजेंडर बेटी विवियन जेना विल्सन ने उन पर हमला बोला है। विल्सन ने मस्क को महिला विरोधी बताया है।

विल्सन ने स्विफ्ट का लिया पक्ष

20 साल की विल्सन ने इंस्टाग्राम के थ्रेड पर पॉप स्टार का समर्थन किया। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो टेलर स्विफ्ट का कमला हैरिस को समर्थन देने का समय इससे बेहतर नहीं हो सकता था। चुनावों में स्विफ्टी को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती! वोट ब्लू।

टेलर स्विफ्ट ने बताया था खुद को श्चाइल्डलैस कैट लेडीश

इतना ही नहीं विवियन जेना विल्सन ने स्विफ्ट के समर्थन पर अपने पिता मस्क की विवादित प्रतिक्रिया पर बात की। दरअसल, गायिका टेलर स्विफ्ट ने प्रेसिडेंशियल डिबेट होने के तुरंत बाद उपराष्ट्रपति को अपना समर्थन देने का एलान किया था। साथ ही खुद को श्चाइल्डलैस कैट लेडीश बताया था।

चाइल्डलैस कैट लेडी का मुद्दा क्या?

डोनाल्ड ट्रंप के रनिंग मेट जेडी वैंस ने बिना बच्चों वाली महिलाओं पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि ऐसे लोगों को वोट न दें, जिनके बच्चे न हों। इन लोगों का भविष्य में कोई योगदान नहीं होगा। ऐसे में जब टेलर स्विफ्ट ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर अपने समर्थन की घोषणा की तो उन्होंने खुद को चाइल्डलैस कैट लेडी यानी बिना बच्चों वाली महिला बताया।

मस्क ने क्या कहा था?

इस पर पूर्व राष्ट्रपति का समर्थन कर रहे टेस्ला सीईओ एलन मस्क तिलमिला गए थे। उन्होंने पॉप गायिका से कहा था, ठीक है टेलर...तुम जीती...मैं तुम्हें बच्चा भी दूंगा और जिंदगी भर तुम्हारी बिल्लियों की रक्षा भी करूंगा। इसे यूजर्स ने अजीब और डरावना बताया था।

मुझे कुछ कहने की जरूरत..: विल्सन

विल्सन ने थ्रेड पर दूसरा पोस्ट किया और एलन मस्क की टिप्पणी को महिला विरोधी बकवास बताया। उसने कहा, श्हां मैंने ट्वीट देखा। यह वाकई महिला विरोधी बकवास है। मुझे इसपर कुछ कहने की जरूरत नहीं है। यह बहुत घिनौना है। यह बहुत स्पष्ट है और यदि आप नहीं देखते हैं कि कैसे तो आप समस्या का हिस्सा हैं। मैं अपने दर्शकों से बस इतना कहना चाहूंगी कि लोगों को आपसे इस तरह बात न करने दें। यह घृणित है, यह अपमानजनक है और बेहद लैंगिकवादी है। आप इससे बेहतर के हकदार हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं सच में इस विषय की सबसे बड़ी प्रशंसक नहीं हूं। आखिरकार मैं अपने नाम के साथ एक स्वतंत्र व्यक्ति हूं। भले ही यह खुद में साफ स्पष्ट है, पर मुझे लगता है कि इस पर बोलना जरूरी थी। चीयर्स।

12 बच्चों के पिता हैं मस्क

बता दें, विल्सन मस्क के 12 बच्चों में से एक हैं। दरअसल, साल 2022 में मस्क की बेटी जेवियर अलेक्जेंडर मस्क ने कोर्ट में अपना नाम बदलकर विवियन जेना विल्सन रखने और नए जन्म प्रमाण पत्र पर अपनी नई जेंडर आइडेंटिटी दिखाने की अर्जी दी थी। साथ ही अपने बायोलॉजिकल पिता के साथ अलग होने की इच्छा जताई थी। दरअसल, एलन मस्क के बेटे जेवियर ने साल 2022 में 18 साल की उम्र पार करने के बाद अपना जेंडर बदलवाया था। इसके बाद जेवियर ने अपना नाम बदलकर विवियन जेना विल्सन करवाया था।

स्विटजरलैंड की खूबसूरत लड़की को पति ने काट-काट कर ब्लेंडर में पीसा

लाश की बनाई प्यूरी फिर एसिड में घोला, रूह कंपा देने वाले जुर्म की कहानी

बर्नरू स्विटजरलैंड से एक रुह कंपा देने वाली वारदात सामने आयी हैं, जिसमें एक पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या करके उसकी लाश को ठीकाने लगाने के लिए काट–काटकर पीस डाला और फिर एसिड में घोल दिया। भयावह घटना में, पूर्व मॉडल और मिस स्विटजरलैंड फाइनलिस्ट क्रिस्टीना जोक्सिमोविच की उसके पति ने गला घोंटकर हत्या कर दी और उसके शव के टुकड़े–टुकड़े कर दिए, फिर उसके शव को ब्लेंडर में डालकर 'प्यूरी' किया और एसिड में घोल दिया। 38 वर्षीय जोक्सिमोविच इस साल फरवरी में स्विट्जरलैंड के बेसल के पास बिनिंगन में अपने घर में मृत पाई गई थीं और चौंकाने वाली जानकारी तब सामने आई जब उनके पति, जिनकी पहचान 'थॉमस' के रूप में हुई, ने अपनी पत्नी की हत्या करने की बात कबूल की, जिससे उसके दो बच्चे थे। स्काई न्यूज के अनुसार, 41 वर्षीय थॉमस ने बुधवार को लॉज़ेन में संघीय न्यायालय द्वारा हिरासत से रिहाई की अपील को अस्वीकार कर दिया था, क्योंकि उसने कथित तौर पर

अपनी पत्नी की हत्या करने की बात कबूल की थी, जिससे उसके दो बच्चे थे। पति ने मार्च में अपराध पुनर्निर्माण के दौरान हत्या करने की बात स्वीकार की थी, और दावा किया था कि उसने कथित तौर पर चाकू से उस पर हमला करने के बाद आत्मरक्षा में हत्या की थी। स्थानीय मीडिया ठ बेज़ेल ने कहा कि स्विस नागरिक थॉमस को 13 फरवरी को जोक्सिमोविच का शव मिलने के अगले दिन गिरफ़्तार किया गया था, और उसने शुरू में जांचकर्ताओं को बताया कि उसने उसे मृत पाया था और घबराहट में उसके शरीर को कपड़े धोने के कमरे में टुकड़े–टुकड़े कर दिया था। चिकित्सा विशेषज्ञों को आत्मरक्षा का कोई सबूत नहीं मिला और उसकी मौत का कारण गला घोंटना बताया गया।

जोक्सिमोविच की हत्या के बारे में भयानक विवरण सामने आए

एक शव परीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, जोक्सिमोविच के शरीर को आरा, चाकू और बगीचे की कैंची से टुकड़े–टुकड़े किया गया था। उसके शरीर के कई अंगों को फिर हैंड ब्लेंडर से काटा गया, प्यूरी किया गया और एक रासायनिक घोल में घोला गया। यह भयानक है। मैं वास्तव में हैरान हूँ। पूर्व मिस स्विटजरलैंड क्रिस्टा रिगोज़ी, जो जोक्सिमोविच की मित्र थीं। बीज़ेड बेज़ेल के अनुसार, हत्या के मामले के भयानक विवरण एक फ़ैसले में सामने आए, जिसने संकेत दिया कि चल रही जाँच ने मामले से संबंधित ष्मानसिक बीमारी के ठोस संकेतष को उजागर किया है। अभियोजकों ने कहा कि थॉमस ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद काफी हद तक आपराधिक ऊर्जा, सहानुभूति की कमी और निर्दयता दिखाई और इसे छिपाने की कोशिश की। यह दंपति से जुड़ी हिंसा का पहला मामला नहीं था। थॉमस पर पहले भी कई बार अपनी पत्नी पर हमला करने का आरोप लगाया गया था, क्योंकि एक पूर्व मॉडल ने आरोप लगाया था कि उसने एक बार जोक्सिमोविच की गर्दन पकड़ी और उसका सिर दीवार पर पटक दिया था। शारीरिक हिंसा की रिपोर्ट के जवाब में पहले भी पुलिस को बुलाया गया था। 2017 में शादी करने वाले इस जोड़े ने बेसल के एक समृद्ध क्षेत्र में सुंदर दृश्यों वाले एक विशाल अर्ध–पृथक घर में निवास किया। जोक्सिमोविच को मिस नॉर्थवेस्ट स्विट्जरलैंड का ताज पहनाया गया था और 2007 में मिस स्विट्जरलैंड के लिए फाइनलिस्ट थीं। उनके पति, एक सफल उद्यमी, उनकी दो बेटियाँ हैं।

भारतीय मूल के पूर्व मंत्री प्रवीण गोर्धन का निधन, कैंसर से जूझ रहे थे

जॉहानेसबर्ग। भारतीय मूल के दक्षिण अफ्रीकी राजनेता और रंगभेद विरोधी कार्यकर्ता प्रवीण गोर्धन का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। प्रवीण गोर्धन के परिवार ने बताया कि वे बीते कुछ समय से कैंसर से जूझ रहे थे और इलाज के दौरान जॉहानेसबर्ग के अस्पताल में शुक्रवार को उनक निधन हो गया। गोर्धन साल 1994 से दक्षिण अफ़्रीकी राजनीति में सक्रिय थे। चार महीने पहले ही उन्होंने घोषणा की थी कि वे अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने के लिए सक्रिय राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने प्रवीण गोर्धन के निधन पर दुख जताया और उन्हे एक उत्कृष्ट नेता और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का प्रतीक बताया। रामफोसा ने गोर्धन की पत्नी वनिता राजू, बेटियों अनीशा और प्रियेशा के सामने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, श्हमने एक उत्कृष्ट नेता खो दिया है, जिनका विनम्र व्यक्तित्व बुद्धिमत्ता, ईमानदारी और ऊर्जा की गहराई को दर्शाता है, उन्होंने अपनी सक्रियता, एक सांसद के रूप में अपने कर्तव्य और कैबिनेट के सदस्य के रूप में अपनी भूमिकाएं निभाईं। साल 2010 में, गोर्धन को तत्कालीन भारतीय राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने प्रवासी भारतीय पुरस्कार से सम्मानित किया था, जो प्रवासी भारतीयों के लिए भारत का सर्वोच्च सम्मान है। प्रवीण गोर्धन ने साल 2009 से 2014 तक और फिर 2015 से 2017 तक दक्षिण अफ्रीका के वित्त मंत्री के रूप में काम किया। उन्होंने 2014 से 2015 तक सहकारी शासन और पारंपरिक मामलों के मंत्री के रूप में भी काम किया। उनका अंतिम सार्वजनिक पद उद्यम मंत्री के रूप में था। 1999 से एक दशक तक दक्षिण अफ्रीकी राजस्व सेवाओं के आयुक्त के रूप में गोर्धन ने दक्षिण अफ्रीका की कर संग्रह एजेंसी को विश्व स्तरीय सेवा के रूप में विकसित कर वैश्विक मान्यता दिलाई। वह 2000 से 2006 तक विश्व सीमा शुल्क संगठन के अध्यक्ष भी रहे।

परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा उत्तर कोरिया, पहली बार सार्वजनिक किया यूरेनियम संवर्धन केंद्र

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इसी के तहत उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने यूरेनियम संवर्धन के सेंट्रीफ्यूज की संख्या बढ़ाने का आदेश दिया है। उत्तर कोरिया के मीडिया के अनुसार, किम जोंग उन ने परमाणु हथियार संस्थान और श्हथियार–ग्रेड परमाणु सामग्री के उत्पादन आधारश केंद्र के दौरे के दौरान यह आदेश दिया। हालांकि इसकी जानकारी नहीं दी गई है कि यह परमाणु सामग्री उत्पादन केंद्र कहां पर स्थित है और किम जोंग उन ने कब ये दौरा किया। कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए के अनुसार, किम ने यूरेनियम संवर्धन आधार

केंद्र के नियंत्रण कक्ष का दौरा किया और इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि आधार केंद्र गतिशील रूप से परमाणु सामग्री का उत्पादन कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उत्तर कोरिया ने पहली बार अपने यूरेनियम संवर्धन केंद्र को सार्वजनिक रूप से पेश किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, किम ने आत्मरक्षा के लिए परमाणु हथियारों को तेजी से बढ़ाने के लिए सेंट्रीफ्यूज की संख्या को बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। यूरेनियम संवर्धन केंद्र का इस्तेमाल यूरेनियम को सेंट्रीफ्यूज में रखकर और उसे उच्च गति से घुमाकर अधिक समृद्ध यूरेनियम के उत्पादन के लिए किया जाता है। परमाणु हथियारों के निर्माण के लिए अत्यधिक और समृद्ध यूरेनियम जरूरी होता है। अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसियों का मानना है कि उत्तर कोरिया प्योंगयांग के कांगसन परमाणु परिसर और योंगब्योन परमाणु स्थल पर यूरेनियम संवर्धन केंद्र संचालित कर रहा है। इसकी वजह ये भी है क्योंकि उत्तर कोरिया ने साल 2010 में प्रसिद्ध अमेरिकी परमाणु वैज्ञानिक सिगफ्राइड हेकर को योंगब्योन परमाणु स्थल आमंत्रित किया था। यूरेनियम संवर्धन सुविधा के अचानक सार्वजनिक करने के पीछे नवंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को माना जा रहा है। दरअसल इसे उत्तर कोरिया द्वारा अपनी परमाणु क्षमताओं का प्रदर्शन करने के तौर पर देखा जा रहा है।

पाकिस्तान पर चला अमेरिका का चाबुक; बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट के चीनी आपूर्तिकर्ताओं को किया प्रतिबंधित

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने गुरुवार को एक बड़ा कदम उठाया। पाकिस्तान के खिलाफ उसका सख्त रवैया बरकरार है। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में मदद करने वाले कई संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनके बारे में दावा किया जा रहा है कि ये पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम की आपूर्ति में शामिल हैं। इस फैसले पर पाकिस्तान की ओर से कुछ नहीं कहा गया है। इसी तरह, वॉशिंगटन ने पिछले साल अक्तूबर में भी चीन की तीन कंपनियों पर कार्रवाई की थी। इन पर भी पाकिस्तान को मिसाइल–संबंधित वस्तुओं की आपूर्ति करने आरोप था। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बैलिस्टिक मिसाइलों और कंट्रोल्ड मिसाइल उपकरणों और प्रौद्योगिकी के प्रसार में शामिल पांच कंपनियों और एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की है। खास तौर से, विदेश मंत्रालय के कार्यकारी आदेश 13382 के अनुसार, बीजिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑटोमेशन फॉर मशीन बिल्डिंग इंडस्ट्री को नामित किया गया है, जो सामूहिक विनाश के हथियारों और उनके वितरण के साधनों के प्रसारकों को लक्षित करता है।

'ट्रंप बकवास कर रहे हैं', पालतू जानवर खाने के पूर्व राष्ट्रपति के दावे पर व्हाइट हाउस ने जताई नाराजगी

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे की कड़ी आलोचना की, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि हैती के प्रवासी ओहियो में पालतू बिल्लियों और कुत्तों को खा जाते हैं। अब व्हाइट हाउस ने ट्रंप के उस बयान को बकवास बताया और कहा कि इससे लोगों की जान को खतरा पैदा हो सकता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ट्रंप अपने बेकार के बयानों से समुदायों का जीवन खतरे में डाल रहे हैं, इससे लोगों की जान को खतरा है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दावेदार डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच बीते बुधवार को ही राष्ट्रपति पद की बहस हुई थी। इस बहस के दौरान दोनों नेताओं ने विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे। इसी डिबेट के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध अप्रवासियों का मुद्दा उठाते हुए दावा किया कि श्स्प्रिंगफील्ड में जो लोग बाहर से आए हैं, वो कुत्तों और बिल्लियों को खा रहे हैं। वो वहां के निवासियों के पालतू जानवरों को खा रहे हैं।श हालांकि डिबेट के मध्यस्थ ने उसी वक्त कहा कि इस बात के कोई सबूत नहीं हैं। जब ट्रंप ने यह दावा किया था तो उस वक्त कमला हैरिस इस दावे पर मुस्कुराती नजर आई थी। गौरतलब है कि ट्रंप के साथी और उपराष्ट्रपति पद के दावेदार जेडी वेंस ने भी दावा किया था कि हैती से आए प्रवासी ओहायो के स्प्रिंगफील्ड में पालतू जानवरों को खा रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।